



माता का छठवां रूप कात्यायनी

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा

वर्ष-32 अंक-224

नर्मदापुरम् (होशंगाबाद) शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026

पृष्ठ-8

मूल्य -1 रुपये

सम्पादक- कृष्णाकान्त सक्सेना

दिल्ली में इंटरनेट-मेट्रो बंद करने पर सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से मांगी माफी, हिरासत को सही ठहराया

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली में 10 अक्टूबर को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान लगाई गई पाबंदियों को लेकर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने अदालत में दाखिल हलफनामे में कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अफवाहों पर रोक लगाने के उद्देश्य से ये कदम उठाए गए थे। सरकार के अनुसार, संसद तक मार्च करने की घोषणा को हल्के में नहीं लिया जा सकता था और प्रशासन ने सद्भावना के साथ कार्रवाई की थी।

दिल्ली पुलिस ने भी प्रदर्शन के दौरान लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की अवहेलना या जानबूझकर अवज्ञा करने से इनकार किया है। पुलिस ने अदालत में दाखिल हलफनामे में बिना शर्त और स्पष्ट माफी मांगते हुए कहा कि उसकी कार्रवाई का उद्देश्य सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना तथा लोगों और संपत्ति को नुकसान से बचाना था। वकील शैलेंद्र मणि त्रिपाठी की ओर से दायर अवमानना



याचिका के जवाब में दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार की ओर से हलफनामा दाखिल किया गया। इसमें पुलिस ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान उठाए गए कदम तत्कालीन परिस्थितियों के अनुरूप और आवश्यक थे। पुलिस के मुताबिक, इन उपायों से सार्वजनिक व्यवस्था के बड़े संकट को टालने में मदद मिली हलफनामे में यह भी कहा गया कि जहां कानूनी प्रावधान

लागू किए गए, वहां आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं का पूरी तरह पालन किया गया। पुलिस ने दावा किया कि उसकी कार्रवाई का उद्देश्य किसी के अधिकारों का उल्लंघन करना नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना था। दिल्ली पुलिस ने अपने हलफनामे में बताया कि प्रदर्शन के दौरान कुछ व्यक्तियों को दिल्ली पुलिस अधिनियम की धारा 65 और भारतीय याचिका दायर की थी।

नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 172 के तहत हिरासत में लिया गया था। पुलिस ने यह भी कहा कि हिरासत में लिए गए नेताओं को थानों में थाना प्रभारी के कक्षों में रखा गया और उन्हें चाय तथा भोजन उपलब्ध कराया गया। एक अलग हलफनामे में पुलिस ने दावा किया कि किसी भी पेशेवर व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से नहीं रोका गया। दरअसल, 10 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से दिल्ली में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया गया था। इसे देखते हुए पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की थी। प्रदर्शन स्थल की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग की गई, कई मेट्रो स्टेशनों को बंद किया गया, इंटरनेट सेवाओं पर रोक लगाए जाने की सूचना सामने आई और हजारों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। इन प्रतिबंधों और पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल उठे थे। मामले में वकील शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने अवमानना



अपनी जनता पार्टी (राष्ट्रीय) के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मोर्य ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं का नेतृत्व किया।

SIR विवाद के बीच चुनाव आयोग का बड़ा एलान 17 राज्यों की वोटर लिस्ट में होगा विशेष संशोधन

नई दिल्ली (ए.)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी विवाद और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग के बीच चुनाव आयोग ने 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष सारांश पुनरीक्षण (एसएसआर) कराने की तैयारी शुरू कर दी है। आयोग ने संबंधित राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पत्र भेजकर प्रक्रिया के लिए 1 जनवरी 2027 की कट-ऑफ तारीख निर्धारित की है। इस प्रक्रिया के दायरे में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा सहित 17 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। इन पांच



राज्यों में वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण चुनावी तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में 403 सीटें हैं और इसका मौजूदा कार्यकाल 22 मई 2027 को समाप्त होगा। वहीं, मणिपुर की 60, गोवा की 40, पंजाब की 117 और उत्तराखंड की 70 सीटें वाली विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च 2027 में अलग-अलग तारीखों पर समाप्त होना है। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से छह महीने पहले चुनाव कराए जा सकते हैं। विशेष सारांश पुनरीक्षण (एसएसआर) का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची में नए पात्र मतदाताओं को शामिल करना, पते में बदलाव दर्ज करना और अन्य जरूरी संशोधन करना है। इसके विपरीत, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अधिक व्यापक 2027 को समाप्त होगा। वहीं, प्रक्रिया है।

मणिपुर की 60, गोवा की 40, पंजाब की 117 और उत्तराखंड की 70 सीटें वाली विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च 2027 में अलग-अलग तारीखों पर समाप्त होना है। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से छह महीने पहले चुनाव कराए जा सकते हैं। विशेष सारांश पुनरीक्षण (एसएसआर) का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची में नए पात्र मतदाताओं को शामिल करना, पते में बदलाव दर्ज करना और अन्य जरूरी संशोधन करना है। इसके विपरीत, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अधिक व्यापक 2027 को समाप्त होगा। वहीं, प्रक्रिया है।

तेज रफतार पिकअप ने मारी टक्कर, विधायक मोहले के भाई समेत तीन लोगों की मौत

मुंगेली, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के दशरंगपुर गांव में गुरुवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में मुंगेली विधायक पुनूलाल मोहले के भाई अधीन मोहले समेत तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में अधीन मोहले, निवासी आवासपारा दशरंगपुर, बखू बघेल, पिता तिजऊ राम तथा गंगा राम, निवासी रेहुंटा शामिल हैं। हादसे की खबर फैलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक पुनूलाल मोहले जिला अस्पताल पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद उन्होंने तीनों मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं विधायक के समर्थक और भाजपा नेता-कार्यकर्ता भी जिला अस्पताल पहुंचने लगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा विधायक पुनूलाल मोहले के गृह ग्राम दशरंगपुर में हुआ।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का सरकार-चुनाव आयोग को नोटिस; राहुल गांधी से भी सफाई मांगी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने 10 अक्टूबर को दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शनों और उनसे संबंधित विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए निर्वाचन आयोग,



केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है। अदालत ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण तथा मतदाताओं के नाम हटाए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर निर्वाचन आयोग और सरकार को नोटिस जारी किया। वहीं, जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाने के फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर दिल्ली सरकार से जवाब मांगा गया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और अन्य

विपक्षी नेताओं को भी नोटिस जारी किया। यह याचिका मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित अनियमितताओं के विरोध में सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने से संबंधित है।

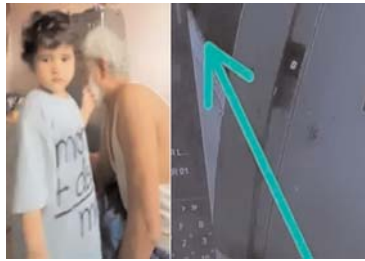
मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने राहुल गांधी के आचरण पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें इस संबंध में स्पष्टीकरण देना होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी सुप्रीम कोर्ट को डराने या धमकाने की कोशिश नहीं कर सकता। राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने 12 अक्टूबर को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में सुप्रीम कोर्ट तक मार्च किया था। इस घटनाक्रम को लेकर अदालत में कई याचिकाएं दायर की गई हैं, जिनमें विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई कार्रवाई और प्रशासनिक प्रतिबंधों को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया।

बिहार: नालंदा में शराब तस्करो ने की पुलिस टीम पर फायरिंग, गोली लगने से सिपाही की मौत

बिहार शरीफ (आरएनएस)। बिहार के नालंदा जिले में शराब तस्करो को पकड़ने गई उत्पाद विभाग की टीम पर बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस घटना में गोली लगने से गंभीर रूप से घायल सिपाही अजीत कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना पावापुरी-गिरियक इलाके में हाईवे पर फ्लाईओवर के पास हुई। वारदात के बाद शराब तस्कर और उनके लिए रेकी कर रहा लाइन मौके से फरार हो गए। पुलिस और उत्पाद विभाग की टीमों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही हैं। उत्पाद अधीक्षक संजय कुमार चौधरी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पटना मुख्यालय की एक्साइज इंस्ट्रिजेंस ब्यूरो (ईआईबी) को गुप्त सूचना मिली थी कि झारखंड से शराब की बड़ी खेप नालंदा लाई जा रही है। इसके बाद पटना से पहुंची ईआईबी की विशेष टीम ने राजगीर उत्पाद विभाग के सब-इंस्पेक्टर और स्थानीय टीम के साथ मिलकर कार्रवाई शुरू की। जानकारी के अनुसार, शराब से लदी पिकअप नवादा जिले के खराट मोड़ से आगे बढ़ी थी। उत्पाद विभाग की टीम वाहन का पीछा करते हुए नालंदा पहुंची।

10 साल की बच्ची ने 18 महीने के मासूम को छठी मंजिल से फेंका, बिल्ली के लिए हुआ या झगड़ा, हुई मौत

मुंबई (आरएनएस)। बच्चों के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर होने वाले विवाद कभी-कभी बेहद गंभीर रूप ले सकते हैं। मुंबई के गोरेगांव पूर्व से एक ऐसी ही दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां 10 साल की बच्ची पर 18 महीने के मासूम को छठी मंजिल से नीचे फेंकने का आरोप है। घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मासूम की मौत के बाद परिवार में मातम पसर है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना 14 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे



गोरेगांव पूर्व के नागरी निवाता इलाके की शिवशाही बिल्डिंग नंबर-1 में हुई। सामने आए सीसीटीवी फुटेज में कथित तौर पर 10 वर्षीय बच्ची मासूम को उठाकर नीचे फेंकती

दिखाई दे रही है। घटना के बाद बच्चे की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, दोनों परिवारों के बीच एक बिल्ली को लेकर विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि पीड़ित परिवार 1 अक्टूबर को ही इस इमारत में रहने आया था। घटना के पीछे पुराने विवाद की भूमिका थी या नहीं, पुलिस इसकी जांच कर रही है। दिंडोशी पुलिस ने मामले में आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट (एडोआर) दर्ज की है और विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। रिपोर्टों के अनुसार, आरोपी बच्ची और उसकी मां को पुलिस ने हिरासत में लिया है।



ध्व राठी को आठ साल पुराने मानहानि मामले में नया समन, 17 अक्टूबर को सुनवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की साकेत अदालत ने मशहूर यूट्यूबर ध्व राठी को आठ साल पुराने मामले में नया समन जारी किया है। यह मामला भारतीय जनता पार्टी के सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ से जुड़े विकास सांकृत्यायन उर्फ विकास पांडे को शिकायत से संबंधित है। पांडे ने वर्ष 2018 में आरोप लगाया था कि ध्व राठी ने अपने यूट्यूब चैनल पर उनके खिलाफ भ्रामक वीडियो प्रसारित किया था।

रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने 12 अक्टूबर को शिकायतकर्ता की ओर से नया समन जारी करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। अदालत ने शिकायतकर्ता को समन तामील कराने वाले कर्मचारी के साथ जाने के लिए भी कहा, ताकि आरोपी तक समन पहुंचाने की प्रक्रिया पूरी की जा सके। मामले की अगली सुनवाई पहले 20 नवंबर को निर्धारित थी, जिसे बदलकर 17 अक्टूबर कर दिया गया है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि उपलब्ध अभिलेखों से स्पष्ट है कि शिकायतकर्ता पिछले कई वर्षों से आरोपी को नोटिस भेजने का प्रयास कर रहा है। ध्व राठी को इस मामले में पहली बार जुलाई 2019 में अदालत में तलब किया गया था, लेकिन समन की तामील में लगातार कठिनाइयां आती रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, राठी जर्मनी में रहते हैं और भारत कम आते हैं। ऐसे में उन्हें समन पहुंचाने में परेशानी हो रही थी। बताया गया है कि वह इन दिनों भारत आए हुए हैं और गुरुग्राम स्थित अपने आवास पर हैं। इसी दौरान अदालत ने समन जारी करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई। ध्व राठी के वीडियो को लेकर अन्य शिकायतें भी अदालतों में पहुंच चुकी हैं। भाजपा नेता सुरेश करमशी नखुआ ने जुलाई 2024 में प्रकाशित एक वीडियो को लेकर 20 लाख रुपये की मानहानि का मुकदमा दायर किया था।

अकिता भंडारी मामले में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर दलित संगठनों में आक्रोश

अंबेडकरवादी और कर्मचारी संगठनों ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला, देशभर से खुले पत्र - कहा, सामाजिक न्याय को राजनीतिक हथियार मत बनाओ



नई दिल्ली (आरएनएस)। नई दिल्ली। अकिता भंडारी मामले को लेकर कांग्रेस नेतृत्व की ओर से इंडिया गेट पर किए गए विरोध प्रदर्शन पर देश के विभिन्न हिस्सों के चार दलित, आंबेडकरवादी और कर्मचारी संगठनों ने सवाल उठाए हैं। इन संगठनों ने कांग्रेस नेतृत्व को खुले पत्र लिखकर पार्टी पर राजनीतिक अवसरवाद और चयनात्मक सामाजिक न्याय का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सामाजिक न्याय और संवैधानिक नैतिकता के सिद्धांतों का पालन सभी मामलों में समान रूप से होना चाहिए, न कि राजनीतिक परिस्थितियों और सुविधा के अनुसार। कांग्रेस नेतृत्व को पत्र लिखने वाले संगठनों में सेल अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कर्मचारी महासंघ, कर्मचारी कल्याण संघ (पंजीकृत), तेलंगाना का अनुसूचित जाति हक्कुला पोरटा संगम और हैदराबाद का डॉ. बी.आर. अंबेडकर वॉलीबॉल क्लब शामिल हैं। इन

संगठनों की ओर से 15 अक्टूबर 2026 के आसपास लिखे गए पत्रों में लगभग समान चिंताएं व्यक्त की गई हैं। पत्रों का मुख्य विषय कांग्रेस का राजनीतिक अवसरवाद और चयनात्मक सामाजिक न्याय है। संगठनों का कहना है कि अकिता भंडारी मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के इंडिया गेट पर प्रदर्शन करने से यह मुद्दा राष्ट्रीय राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गया है। हालांकि, उनकी आपत्ति लोकतांत्रिक विरोध करने के अधिकार पर नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और संवैधानिक सिद्धांतों के कथित चयनात्मक इस्तेमाल पर है।

सेल अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कर्मचारी महासंघ ने अपने पत्र में कहा है कि संवैधानिक नैतिकता की बात करने वाली कांग्रेस को अपने आचरण में भी निरंतरता दिखानी चाहिए। संगठन के अनुसार, सामाजिक न्याय तभी सार्थक हो सकता है, जब उसका इस्तेमाल पक्षपातपूर्ण हितों को साधने के लिए न किया जाए।

वहीं, कर्मचारी कल्याण संघ के अध्यक्ष एस.के. सोनी और महासचिव मनोज कुमार ने अपने पत्र में कहा कि कांग्रेस के हस्तक्षेप से उसकी संवैधानिक नैतिकता के प्रति प्रतिबद्धता को लेकर सवाल उठते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी आपत्ति विरोध प्रदर्शन करने से नहीं, बल्कि सिद्धांतों को चुनौती देने की प्रवृत्ति से है।

तेलंगाना के अनुसूचित जाति हक्कुला पोरटा संगम के संस्थापक अध्यक्ष मरेदु मोहन और हैदराबाद के डॉ. बी.आर. अंबेडकर वॉलीबॉल क्लब के अध्यक्ष ए. कांति किरण ने भी अपने पत्रों में इसी तरह की चिंताएं व्यक्त की हैं। संगठनों ने कहा कि दलित समुदाय के लिए कानून के समक्ष समानता, संस्थागत जवाबदेही और सामाजिक न्याय केवल राजनीतिक नारे नहीं, बल्कि लंबे संघर्षों से हासिल किए गए मूलभूत आदर्श हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की घोषणा के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तत्काल फास्ट-ट्रैक कोर्ट के गठन के दिये थे आदेश मध्यप्रदेश फास्ट-ट्रैक कोर्ट का गठन करने वाला देश का बना सबसे पहला राज्य

जने सहित इन्तिमा समिति के पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त श्री शर्मा ने सभी संबंधित विभागों के निदेश दिए कि अपने-अपने कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा इन्तिमा स्थल पर आने वाले जमातों की सुरक्षा और सुरक्षा संबंधी प्राथमिकता पर सुनिश्चित कर जाए। आईजी श्री चौहान ने निदेश दिए कि इन्तिमा स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए। स्थल पर पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएं एवं भीड़ नियंत्रण की पर्याप्त व्यवस्था रहे तथा ट्रैफिक पुलिस द्वारा संचाल्यतायुक्त सुनिश्चित किया जाए, ताकि जमातों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

है कि जब अलग-अलग नेताओं ने उनकी मांग का समर्थन किया है, तो सरकार को भीत में पड़ बढ़ाने पर निर्णय लेना चाहिए। राजगढ़ जिले के व्यापार निवासी प्रेरेन्द्र राजपूत ने कहा कि अर्धवर्षी 56 दिन से लगातार पड़वृष्टि की मांग कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री की ओर से भी पड़ बढ़ाने की बात कही गई थी, लेकिन उनके मुताबिक, बाद में अर्धवर्षीयों को केवल आश्वासन मिले। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री से कई बार मुलाकात और शान्तिपूर्ण प्रदर्शन के बाद भी मांग पूरी नहीं हुई, इसलिए अब मुख्यमंत्री निवास तक जाने का फैसला लिया गया। राजपूत ने कहा कि अर्धवर्षीयों को उम्मीद है कि मुख्यमंत्री से मुलाकात या सीधे हस्तक्षेप से उनकी बात सुनी जाएगी। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारी अब तक कड़ तरीके से अपनी मांग उठा चुके हैं, लेकिन समाधान नहीं निकले पर सड़क पर उतरने को मजबूर हो रहे हैं।

मामलों में धनराशि वापस दिलाने की प्रक्रिया को कम खर्चीला बनाना पीड़ित-केंद्रित व्यवस्था को दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राज्य शासन साइबर अपराधों की रोकथाम, नागरिकों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और साइबर अपराध से प्रभावित व्यक्तियों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नागरिकों से अपील है कि साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें और अधिकारिक पोर्टल www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात बसत कुमार कौल सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्माण विभागों के अधिकारियों को शहर की सड़कों की स्थिति बेहतर बनाने के साथ ही भीपाल के आसपास राष्ट्रीय राजमार्गों पर चल रहे निर्माण कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी आयोजनों को देखते हुए प्रमुख मार्गों पर सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्य प्राथमिकता से किए जाएं। बैठक में जिले के चिह्नित ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए किए जा रहे सुधार कार्यों की समीक्षा को गए। कलेक्टर ने गोविंदपुरा, ट्रेनिंग सेंटर एवं आईएसबीटी क्षेत्र में प्रस्तावित कार्य तत्काल प्रारंभ कराने तथा अन्य स्वीकृत लेट्टर टर्न निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने डिस्ट्रिक्ट हाईवे सेपटी टास्क फोर्स को राष्ट्रीय राजमार्गों की सीमा में किए गए अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए।

भूपाल (आरएनएस) । कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा कि युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने में स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षण संस्थानों में एंटी ड्रग कमेटीयों का गठन कर उन्हें सक्रिय बनाया जाए तथा 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के अंतर्गत नियमित जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंग।

कलेक्टर श्री मिश्रा कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जिला स्तरीय एनकाई (NCORD) समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। कलेक्टर ने नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी एवं बिक्री पर प्रभावित निंत्रण के लिए पुलिस, जिला प्रशासन, राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) तथा संबंधित विभागों को समन्वय से संयुक्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागों के बीच सूचनाओं का नियमित आदान-प्रदान किया जाए और अंतरजिला एवं अंतरराज्यीय मामलों में संयुक्त जांच के माध्यम से प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने सामाजिक न्याय विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, नशामुक्ति केंद्रों और स्वयंसेवी संस्थाओं के समन्वय से स्कूल-कॉलेजों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार कार्ययोजना एवं गतिविधियों का कैलेंडर तैयार करने, सभी शासकीय महाविद्यालयों में एंटी ड्रग कमेटीयों गठित कर नोडल अधिकारी नियुक्त करने तथा गतिविधियों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने को कहा।

नीला ड्रम हत्याकांड:

मुस्कान-साहिल को फांसी की सजा के बाद राजा रघुवंशी की मां बोलीं- बेटे को कब मिलेगा न्याय?

इंदौर (ए.)। मेरठ की मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद इंदौर के चर्चित ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में भी ऐसी ही सजा की मांग उठने लगी है। राजा की मां उमा रघुवंशी ने भी अपने बेटे के हत्याकांड में न्याय की मांग उठाई है।

उमा ने कहा कि जिस तरह मुस्कान और साहिल को सजा मिली है, उसी तरह उनके बेटे राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में उसकी पत्नी सोनम सहित अन्य आरोपियों को भी फांसी की सजा मिलनी चाहिए। उमा रघुवंशी ने सवाल उठाया कि आखिर उनके बेटे को न्याय कब मिलेगा? राजा रघुवंशी की मां ने अपने दर्द को जाहिर करते हुए कहा कि बेटे की हत्या ने उनके परिवार को तोड़कर रख दिया है। वह लगातार न्याय की उम्मीद लगाए बैठी हैं। उनका कहना है कि राजा की हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए, जिससे पीड़ित परिवार को न्याय का एहसास हो सके। उमा रघुवंशी ने मांग की कि राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में उसकी पत्नी सोनम और अन्य आरोपियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि मुस्कान और साहिल को फांसी की सजा मिलने के बाद उन्हें उम्मीद है कि उनके बेटे के मामले में भी न्याय की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ेगी।

नेहा बोरा के बयान पर भड़के बाबा बागेश्वर, कहा- भारत कभी भी बांग्लादेश से प्रेरित नहीं हो सकता

बुंदेलखंड (ए.)। बांग्लादेश में छात्र आंदोलन से प्रेरित होकर भारत में भी ऐसा आंदोलन करने की बात कहने के बाद ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (AISA) की अध्यक्ष नेहा बोरा विवादों में आ गई हैं। उनके बयान पर बाबा बागेश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने प्रतिक्रिया दी है। बाबा बागेश्वर ने कहा कि भारत कभी भी बांग्लादेश से प्रेरित नहीं हो सकता। उन्होंने कहा,बांग्लादेश बांग्लादेश है और भारत भारत है।उन्होंने आगे कहा कि जो लोग भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति बनाने की कोशिश करेंगे, उनका हाल उत्तर प्रदेश के बुलडोजर वाला होगा।

भारत में कट्टरपंथ नहीं, संवैधानिक स्वतंत्रता

बाबा बागेश्वर ने आगे कहा कि यहां कट्टरपंथ नहीं है।

कट्टरपंथता होती है, जिसमें आप नहीं मानेंगे तो सीधा आपका कत्ल है। उन्होंने कहा, भारत में स्वतंत्रता है, कानून है, संविधान है, हर व्यक्ति अपनी बात कह पा रहा है। हमारे ही खिलाफ पांच सौ लोग बोलते हैं, भगवान राम के खिलाफ

आईडीए में बवाल, पलैटों के फार्म के लिए मारपीट की नौबत, भीड़ से भागते दिखे अधिकारी, वेबसाइट भी ठप



इंदौर (ए.)। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत निकाले गए पलैटों के आवंटन के लिए इन दिनों फार्म बांटे जा रहे हैं, लेकिन यह प्रक्रिया आम जनता के लिए सिरदर्द बन गई है। गुरुवार को फार्म वितरण के दौरान हालात इतने बिगड़ गए कि वहां मारपीट की स्थिति तक निर्मित हो गई, जिसे संभालने के लिए आखिरकार अधिकारियों को मौके पर पहुंचना पड़ा।प्राधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट सुचारू रूप से काम नहीं कर रही है, जिसके कारण पलैट आवंटन का विकल्प न तो नजर आ रहा है और न ही लोग ऑनलाइन आवेदन कर पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में मजबूर होकर लोग कार्यालय का रुख कर रहे हैं, जहां रोजाना केवल 20 ही फार्म वितरित किए जा रहे हैं। लंबी कतारों में खड़े रहने के बावजूद कई लोगों को

खाली हाथ लौटना पड़ रहा है और उन्हें अगले दिन आने के लिए कहा जाता है। लगातार दो से तीन दिनों तक चक्कर काटने के बाद जब लोगों को फार्म नहीं मिलते हैं, तो उनका सब्र टूट जाता है।

नौकरी छोड़कर लाइनों में खड़े होने को मजबूर आम नागरिक

फार्म प्राप्त करने के लिए पहुंचे नागरिकों का कहना है कि उन्हें अपनी नौकरियां छोड़कर इस प्रक्रिया में शामिल होना पड़ रहा है। लगातार कई दिनों तक भटकने के बाद भी जब फार्म हाथ नहीं लगते हैं, तो लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच जाता है। गुरुवार को भी ऐसा ही देखने को मिला जब गुस्साए लोगों ने कार्यालय में जमकर हंगामा किया और अधिकारियों तथा कर्मचारियों से तीखी बहस की। लोगों का यह भी सवाल है कि आज के डिजिटल युग में जहां हर काम ऑनलाइन संभव है, वहां प्राधिकरण अपनी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने में क्यों असफल साबित हो रहा है।

संपदा अधिकारी ने दिया समस्याओं के समाधान का आश्वासन

जब इस पूरे मामले को लेकर संपदा अधिकारी श्याम श्रीवास्तव से बात की गई, तो उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि कार्यालय के बाहर क्या स्थिति बनी हुई है। उन्होंने स्थिति से अनजान बनते हुए तुरंत वेबसाइट की तकनीकी कमियों को दिखवाने और आम जनता को हो रही असुविधा को दूर करने के लिए उचित प्रबंध करने का भरोसा दिलाया है।

सिंहस्थ 2028: कर्कराज पार्किंग से नरसिंह घाट तक प्रस्तावित मार्ग चौड़ीकरण कार्य का सभाग आयुक्त और कलेक्टर ने निरीक्षण किया?



व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सभाग आयुक्त श्री सिंह ने नगर निगम के इंजीनियरों से इस महत्वपूर्ण मार्ग के चौड़ीकरण कार्यों की प्रारंभिक जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सिंहस्थ महापर्व की महत्ता को देखते हुए इस मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए और इसे निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण के साथ पूर्ण किया जाये।

उज्जैन (ए.)। आगामी सिंहस्थ

2028 को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियों को गति देना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में सभाग आयुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने नियमित निरीक्षण के तहत गुरुवार को कर्कराज पार्किंग क्षेत्र से नरसिंह घाट तक प्रस्तावित मार्ग के चौड़ीकरण कार्य एवं पार्किंग

1 नवंबर से अनजान नंबर से कॉल आने पर स्क्रीन पर चमकेगा कॉलर का नाम, बिना किसी ऐप के दिखेगी पहचान

नई दिल्ली (ए.)। मोबाइल फोन पर अनजान नंबरों से आने वाली अनचahi और फर्जी कॉल्स से परेशान उपभोक्ताओं के लिए दूरसंचार विभाग (DoT) ने एक बड़ा और क्रांतिकारी कदम उठाया है। विभाग ने देश की सभी टेलीकॉम कंपनियों को 1 नवंबर 2026 से 'कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन' (CNAP) सेवा अनिवार्य रूप से लागू करने का निर्देश दिया है। इस नई व्यवस्था के प्रभावी होते ही फोन पर आने वाली किसी भी इनकमिंग कॉल के दौरान स्क्रीन पर केवल नंबर ही नहीं, बल्कि कॉल करने वाले व्यक्ति का आधिकारिक नाम भी साफ दिखाई देगा। दूरसंचार विभाग ने 13 अक्टूबर को जारी अपने परिपत्र में स्पष्ट किया है कि यह सुविधा देश के सभी सर्विस एरिया में लागू की जाएगी।

स्क्रीन पर दिखेगा सिम कार्ड धारक का असली नाम, नहीं पड़ेगी किसी थर्ड पार्टी ऐप की जरूरत

CNAP सेवा के लागू होने के बाद यूजर्स के मोबाइल पर कॉल आने पर दो मुख्य जानकारीयां प्रदर्शित होंगी— कॉल करने वाले का मोबाइल नंबर और उसकी कानूनी पहचान से जुड़ा नाम। यदि कॉल करने वाले का नंबर रिसीवर की कॉन्टैक्ट लिस्ट में पहले से सेव है, तो स्क्रीन पर वही नाम दिखेगा जो यूजर ने सेव कर रखा है। वहीं, अगर नंबर सेव नहीं है, तो टेलीकॉम ऑपरेटर के डेटाबेस

Google Play Store पर असली Google Chrome की हूबहू नकल, 1 लाख से ज्यादा लोगों ने कर लिया डाउनलोड

नई दिल्ली (ए.)। स्मार्टफोन यूजर्स के बीच सुरक्षित माने जाने वाले गूगल प्ले स्टोर पर सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया है। प्ले स्टोर पर दुनिया के सबसे लोकप्रिय वेब ब्राउजर 'गूगल क्रोम' की हूबहू नकल करने वाला एक फर्जी ऐप लिस्ट हो गया, जिसे 1 लाख से अधिक बार डाउनलोड भी कर लिया गया। सबसे ज्यादा चौंकारने वाली बात यह रही कि यह फेक ऐप प्ले स्टोर के सर्च रिजल्ट्स में असली गूगल क्रोम से भी ऊपर रैंक कर रहा था। मामला सामने आने और सोशल मीडिया पर हलचल मचने के बाद गूगल ने आनन-फानन में इस ऐप को प्ले स्टोर से हटा दिया है। PhoneArena की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फर्जी ऐप को 'Hizbartechn' नाम के एक डेवलपर ने प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया था। जांच में खुलासा हुआ कि यह ऐप शुरुआत में 22 अगस्त को 'Ball Bounce' नाम के एक साधारण मोबाइल गेम के रूप में लिस्ट किया गया था। प्ले स्टोर के सुरक्षा मानकों को चकमा देने के लिए डेवलपर ने 30 सितंबर को चुपके से इसका नाम बदलकर 'Chrome' कर दिया और इसका लोगो व आइकन भी असली गूगल क्रोम जैसा लगा दिया। असली ऐप के 10 अरब से ज्यादा डाउनलोड्स हैं, लेकिन सर्च में यह फर्जी ऐप ऊपर दिखने के कारण हजारों यूजर्स भ्रम का शिकार हो गए और इसे असली ब्राउजर समझकर इंस्टॉल कर लिया। इस बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट (Reddit) पर एक यूजर द्वारा शेयर किए गए स्क्रीनशॉट के बाद हुआ। जब एक यूजर ने इस संदिग्ध ऐप को डाउनलोड करके टेस्ट किया, तो पाया कि इसका वेब ब्राउजिंग से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं था।



टिप्पणियां करते हैं। संतों के खिलाफ भी बयान देते हैं। इसके बावजूद उन्हें अपनी बात रखने की स्वतंत्रता है। उन्होंने इसे भारत की संवैधानिक व्यवस्था का हिस्सा बताया।

धर्म परिवर्तन करते हैं, उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए धर्मांतरण और आरक्षण के मुद्दे पर बाबा बागेश्वर ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए इसे

अद्भुत निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि जो लोग धर्म परिवर्तन करते हैं, उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, पूरे भारत को इस विषय को लेकर स्वागत करना चाहिए। साथ ही, उन्होंने धर्मांतरण कराने वाली संस्थाओं पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कुछ संस्थाएं अंदरूनी तरीके से धर्मांतरण कराती हैं। उन्होंने ऐसी संस्थाओं की तुलना कैंसर से करते हुए कहा कि इस फैसले से उन पर प्रहार हो।

बुंदेलखंड में निकाली गई परिवर्तन यात्रा को लेकर बाबा बागेश्वर ने कहा कि यात्रा का अनुभव बेहद अद्भुत रहा। उनके मुताबिक, क्षेत्र के कई गांवों ने नशामुक्ति का संकल्प लिया है। उन्होंने नशे को बुंदेलखंड की प्रमुख समस्याओं में से एक बताया। उन्होंने कहा कि यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और कई स्थानों पर लोग आठ से नौ घंटे तक सड़कों पर खड़े रहकर यात्रा का स्वागत करते रहे। उनके अनुसार, लोगों की भागीदारी भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक थी।

त्यापार समाचार

छत से पानी बहने की टेंशन हमेशा के लिए खत्म, घर लाए यह स्मार्ट डिवाइस

नई दिल्ली (ए.)। घर की छत पर लगी पानी की टंकी भर जाने के बाद पानी ओवरफ्लो होकर बहना और हजारों लीटर पानी के साथ-साथ बिजली बर्बाद होना आम बात हो गई है। बार-बार टंकी चेक करने के लिए छत के चक्कर काटने और मोटर बंद करने की झंझट से अब निजात मिल सकती है। घरेलू तकनीक के क्षेत्र में अब आधुनिक 'स्मार्ट वॉटर टैंक कंट्रोलर' आ चुके हैं, जो न सिर्फ टंकी का जलस्तर मापते हैं बल्कि टंकी भरते ही मोटर को खुद-ब-खुद बंद भी कर देते हैं। भारतीय बाजार में ये ऑटोमैटिक और ऐप-बेस्ड डिवाइस मात्र 1200 रुपये की शुरुआती कीमत पर आसानी से उपलब्ध हैं। यह डिवाइस सीधे तौर पर घर की पानी की टंकी और मोटर के बीच एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। इसमें लगा अल्ट्रासोनिक या फ्लोट सेंसर टंकी में पानी का स्तर लगातार मापता रहता है। जैसे ही पानी तय किए गए अधिकतम स्तर को छूता है, कंट्रोलर अपने आप मोटर को बिजली सप्लाई बंद कर देता है।



और सब्सक्राइबर रिकॉर्ड में सिम वेरिफिकेशन के दौरान दर्ज असली नाम स्क्रीन पर आएगा। अंतरराष्ट्रीय नंबरों से आने वाली कॉल्स के मामले में सुरक्षा और सतर्कता के लिहाज से नंबर के साथ स्क्रीन पर 'International Call' लिखा नजर आएगा।

ग्राहकों को अलग से नहीं करानी होगी सर्विस एक्टिवेट, शुरुआत में 4G और 5G पर मिलेगी सुविधा

दूरसंचार विभाग के निर्देशों के अनुसार, आम उपभोक्ताओं को इस सुविधा का लाभ लेने के लिए किसी

तरह की अर्जी देने या अतिरिक्त शुल्क देकर इसे एक्टिवेट कराने की जरूरत नहीं होगी। टेलीकॉम कंपनियां यह सर्विस डिफॉल्ट रूप से अपने नेटवर्क पर उपलब्ध कराएंगी। शुरुआती चरण में इस तकनीक को 4त और उससे आधुनिक वायरलेस नेटवर्क्स (जैसे 5G) पर अनिवार्य रूप से लागू किया जा रहा है। पुराने 2G, 3G नेटवर्क और पारंपरिक लैंडलाइन कनेक्शनों पर इस व्यवस्था को किस तरह लागू किया जाए, इस पर विभाग बाद में अलग से विचार करेगा।इस नई व्यवस्था का प्राथमिक उद्देश्य अनजान कॉलर्स को पहचान उजागर कर उपभोक्ताओं को फ्राड, फिशिंग और स्पैम कॉल्स से बचाना है ताकि वे कॉल उठाने से पहले सतर्क फैसला ले सकें। हालांकि, जिन उपभोक्ताओं ने तय कानूनी नियमों के तहत 'कॉलिंग लाइन आइडेंटिफिकेशन रिस्ट्रिक्शन' (CLIR) को सुविधा ले रखी है, उनका नाम स्क्रीन पर नहीं दिखाया जाएगा।

वहीं, कॉरपोरेट और बल्क कनेक्शन का उपयोग करने वाली व्यावसायिक कंपनियों या संस्थानों को यह छूट दी जाएगी कि वे उचित सत्यापन के बाद अपने रजिस्टर्ड ट्रेडनामक या जीएसटी पोर्टल पर दर्ज व्यापारिक नाम को कॉलर स्क्रीन पर प्रदर्शित करवा सकें। कंपनियों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि यदि किसी उपभोक्ता का नाम गलत प्रदर्शित होता है, तो उसकी शिकायत का समयबद्ध समाधान किया जाए।

NPCI ने ‘तत्काल NPS’ किया शुरु, अब PI के जरिए चुटकियों में खुल जाएगा पेंशन अकाउंट



नई दिल्ली (ए.)। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की सहयोगी कंपनी एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) ने बुधवार को कहा कि भीम पेमेंट ऐप पर अब यूजर्स के लिए 'तत्काल एनपीएस' शुरू हो गया है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) द्वारा शुरू की गई 'तत्काल एनपीसी' सुविधा से यूजर्स बिना किसी ब्रांच में जाए या नए कागजात जमा किए, ऐप के जरिए नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) अकाउंट खोल सकते हैं। हालांकि, इस प्रोसेस में पहले से बैंक द्वारा वेरिफाई किए गए केवाईसी का इस्तेमाल किया जाता है। यूजर्स को अपनी जन्मतिथि डालनी होती है, अपना योग्य बैंक अकाउंट चुनना होता है और यूपीआई के जरिए अपना पहला एनपीएस योगदान करना

होता है।इसके अलावा, तत्काल एनपीएस सुविधा अभी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा के बैंकिंग ग्राहकों के लिए भीम ऐप पर उपलब्ध है।

एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड के अनुसार, बाद में इसमें और भी बैंक जोड़े जाएंगे।

एनबीएसएल के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ ललिता नटराज ने कहा, यूपीआई पहले ही करोड़ों भारतीयों की रोजमर्रा की वित्तीय आदत बन चुका है। अगला मौका एनपीएस जैसे प्रोडक्ट्स तक पहुंच को बेहतर बनाना है। भीम पर 'तत्काल एनपीएस' सुविधा, एनपीएस अकाउंट शुरू करने की शुरुआती बाधा को दूर करती है। इसके जरिए योग्य यूजर्स सीधे यूपीआई ऐप से एनपीएस अकाउंट खोल सकते हैं।' तत्काल एनपीएस' अब योग्य यूजर्स को ऐप के जरिए एनपीएस अकाउंट खोलने की सुविधा देता है, जिससे भीम की भूमिका सिर्फ योगदान में मदद करने से बढ़कर एनपीएस ऑनबोर्डिंग में सहायता करने तक बढ़ गई है।एनपीएस एक कम लागत वाली पेंशन स्कीम है जिसे पीएफआरडीए रेगुलेट करता है। इसमें किए गए योगदान को रेगुलेटेड पेंशन फंड मैनेजर्स द्वारा मैनेज किए जाने वाले मार्केट-लिंक्ड फंड में इन्वेस्ट किया जाता है और नियमों के अनुसार टैक्स का फायदा भी मिलता है।पीएफआरडीए के चेयरपर्सन एस.रमन ने कहा कि यूपीआई ने भारत में पेमेंट करने का तरीका बदल दिया है; तत्काल एनपीएस भारत में रिटायरमेंट की तैयारी के तरीके को बदल सकता है।

यूपीएससी एवं एमपीपीएससी अभ्यर्थियों ने किया जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का शैक्षणिक भ्रमण



जबलपुर (ए.)। ज्ञान आश्रय नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस के यूपीएससी एवं एमपीपीएससी अभ्यर्थियों ने आज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान जिला विधिक सहायक अधिकारी भागवत दयाल दीक्षित ने विद्यार्थियों को प्राधिकरण के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली तथा आम नागरिकों को उपलब्ध नि:शुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी।जिला विधिक सहायक अधिकारी श्री दीक्षित ने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से कानून एवं न्याय व्यवस्था की उपयोगिता समझाई। उन्होंने 6 और 9 का उदाहरण देते हुए बताया कि किसी परिस्थिति को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखने पर उसका अर्थ बदल सकता है। इसलिए किसी विवाद को समझने के लिए सभी पक्षों को सुनना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा विधिक सेवाओं और नागरिकों के कानूनी अधिकारों से संबंधित पूछे गए प्रश्नों का भी समाधान किया।

इस अवसर पर ज्ञान आश्रय नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस के सहायक संचालक संतोष सेंगर, प्रबंधक बलराम प्रजापति, शिक्षक कमलाकर सतनामी, पी. सालि हेमंत और एडवोकेट अतुल कुशवाह सहित समस्त अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

सिंहस्थ 2028: कर्कराज पार्किंग से नरसिंह घाट तक प्रस्तावित मार्ग चौड़ीकरण कार्य का सभाग आयुक्त और कलेक्टर ने निरीक्षण किया?

उज्जैन (ए.)। आगामी सिंहस्थ 2028 को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियों को गति देना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में सभाग आयुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने नियमित निरीक्षण के तहत गुरुवार को कर्कराज पार्किंग क्षेत्र से नरसिंह घाट तक प्रस्तावित मार्ग के चौड़ीकरण कार्य एवं पार्किंग

बैंक ऑफ बड़ौदा ने यूई के कारोबारी से 2,800 करोड़ रुपए वसूलने के लिए शुरु की प्रक्रिया

नई दिल्ली (ए.)। बैंक ऑफ बड़ौदा ने बुधवार को कहा कि वह यूई के कारोबारी बीआर शेठ्टी से 2,800 रुपए वसूलने के लिए भारत और यूएई में कोशिशें कर रहा है और उनके खिलाफ कई अदालती आदेश हासिल कर चुका है। बैंक ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है, जब यूएई आधारित कंपनी एनएमसी हेल्थ के संस्थापक शेठ्टी ने बैंक के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में केस दायर किया है और ग्रुप की कंपनियों से जुड़े कथित फ्राड के मामले में 15 अरब डॉलर के मुआवजे की मांग की है। वहीं, सरकारी बैंक की ओर से जारी बयान में कहा गया कि वह अपने हितों की मजबूती से रक्षा करेगा।

स्टॉक एक्सचेंज में दी गई जानकारी में बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा, बैंक को ऐसा कोई मुकदमा नहीं मिला है और बैंक उन दावों या आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता जिनकी अदालत में अभी तक जांच नहीं हुई है। जब बैंक को मुकदमे की सूचना मिलेगी, तो बैंक मजबूती से अपना पक्ष रखेगा और अपने हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा।

बैंक ने यह भी बताया कि कर्नाटक हाई कोर्ट ने 2021 में शेठ्टी को अपनी संपत्ति का लेनदेन करने या उसे किसी और को ट्रांसफर करने से रोक दिया था। बाद में नेशनल कंपनी लां ट्रिब्यूनल में हुई कार्यवाही के दौरान शेठ्टी ने कहा था कि वह दिवालिया हो चुके हैं और बैंक का बकाया नहीं चुका सकते।

बैंक ने आगे कहा कि शेठ्टी ने पहले भी न्यूयॉर्क राज्य की सुप्रीम कोर्ट में बैंक के खिलाफ इसी तरह का मुकदमा दायर किया था, जिसे खारिज कर दिया गया और शेठ्टी का आरोप है कि बैंक ऑफ बड़ौदा और उसके कई मौजूदा और पूर्व कर्मचारियों ने एक ऐसे फ्राड में मदद की, जिसकी वजह से खाड़ी देशों में काम करने वाला हेल्थकेयर ग्रुप डूब गया। एक समय गल्फ की सबसे बड़ी प्राइवेट हेल्थकेयर कंपनी रही एनएमसी को महीनों की फाइनेंशियल गड़बड़ियों के बाद 2020 में एडमिनिस्ट्रेशन के तहत लाया गया था।

कंपनी ने 6.6 अरब डॉलर के कर्ज का खुलासा किया, जो पहले के 2.1 अरब डॉलर के अनुमान से कहीं ज्यादा था। बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट में बताई गई बातें अबू धाबी ग्लोबल मार्केट (एडीजीएम) कोर्ट में चल रही कार्यवाही का भी हिस्सा थीं। इस कोर्ट में शेठ्टी और एनएमसी हेल्थकेयर के पूर्व सीईओ प्रशांत मंगहट के खिलाफ धोखाधड़ी, गलत तरीके से ट्रेडिंग और धोखाधड़ी वाली ट्रेडिंग के आरोपों पर फैसला सुरक्षित रखा गया था।

कैबिनेट ने आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी बिक्री को दी मंजूरी; 5 2,878 करोड़ रुपए में फेयरफैक्स से होगा सौदा

नई दिल्ली (ए.)। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी बिक्री को मंजूरी दे दी है। इसे 52,878 करोड़ रुपए में कनाडा ईक, जिसकी प्रवर्तक कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स है, खरीदेगी। इस प्रस्तावित सौदे में फेयरफैक्स आईडीबीआई बैंक में 60.72 प्रतिशत हिस्सा खरीदेगी, जिसमें 30.48 प्रतिशत हिस्सा सरकार का और बाकी 30.24 प्रतिशत हिस्सा एलआईसी का है। इस लेनदेन का कुल मूल्य 52,878 करोड़ रुपए होगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस लेनदेन को रणनीतिक विनिवेश के बजाय रणनीतिक पुनर्गठन बताया और यह स्पष्ट किया कि सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) बैंक में अपनी हिस्सेदारी बनाए रखेंगे। इस सौदे के बाद आईडीबीआई में सरकार की हिस्सेदारी घटकर 15 प्रतिशत और एलआईसी की करीब 19 प्रतिशत रह जाएगी।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि कैबिनेट के फैसले को दो चरणों वाली प्रतियस्धी बोली प्रक्रिया के जरिए लागू किया गया है। इस प्रोसेस को कई स्तरों वाले सामूहिक फैसला लेने के सिस्टम का समर्थन हासिल था, जिसमें अंतर-मंत्रालयी समूह (आईएमजी), विनिवेश पर सचिवों का कोर समूह (सीजीडी) और और कैबिनेट मंत्रियों का अधिकार-प्राप्त समूह शामिल थे।



अपेक्षित लाभ प्राप्त

अंतरराष्ट्रीय अवसरों का लाभ उठाने के लिए भी जरूरी है कि देशी अर्थव्यवस्था में निवेश एवं प्रतिस्पर्धा के अनुकूल स्थितियां हों। इसके अभाव में ना संरक्षणवाद काम आया है, और ना खुले व्यापार का रास्ता!

एक के बाद एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) करना तीसरे कार्यकाल में नरेंद्र मोदी सरकार की प्राथमिकता रही है। इनसे धारणा बनाई गई कि अब उन समस्याओं का हल निकल आएगा, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को घेरे रखा है। लेकिन मशहूर अमेरिकी थिंक टैंक- सेंटर फॉर इंटरनेशनल एंड स्ट्रेट्जिक स्टडीज (सीएसआईएस) के एक अध्ययन का निष्कर्ष है कि ये समझौते भारत के व्यापार ढांचे या मैनुफैक्चरिंग की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने में नाकाम रहे हैं। जिन देशों या देश समूहों के साथ करार हुए, उनसे भारत का द्विपक्षीय व्यापार जरूर बढ़ा है, लेकिन निर्यात आधारित विकास की महत्वाकांक्षा को पूरी करने में इनका कोई खास योगदान बनता नहीं दिखाता। पत्र में जोर दिया गया है कि भूमि, श्रम, बिजली और जल की आपूर्ति, और विवादों के कुशल न्यायिक समाधान से संबंधित चुनौतियां बनी हुई हैं। दस्तावेज की दलील है कि इन बिंदुओं पर प्रगति के बिना भारतीय कंपनियां अपेक्षित प्रतिस्पर्धा क्षमता हासिल नहीं कर सकेंगी, जिससे वे एफटीए से मिले बाजार अवसरों का पूरा लाभ उठा सकें। इसमें ध्यान दिलाया गया है कि सत्ता में आने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार ने ‘मेक इन इंडिया’ योजना के तहत संरक्षणवाद को तरजोह दी। इसके तहत शुल्क और गैर शुल्क रुकावटें खड़ी कर घरेलू उत्पादकों को संरक्षण दिया गया। लेकिन इस योजना के परिणाम निराशाजनक रहे। भारतीय जीडीपी में मैनुफैक्चरिंग का योगदान 13-15 प्रतिशत के बीच बना रहा। तब मोदी सरकार ने एफटीए की नीति अपनाई। इस दौरान यूएई, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन, ओमान, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और यूरोपियन यूनियन से एफटीए करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए गए। लेकिन इन समझौतों से अपेक्षित लाभ प्राप्त होने नहीं दिख रहे हैं। इस दौरान एक और मुश्किल अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के संरक्षणवादी नीति अपनाने लेने से पेशा आई है। इससे पूरी दुनिया का व्यापारिक माहौल बिगड़ गया है। बहरहाल, महत्त्वपूर्ण बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय अवसरों का लाभ उठाने के लिए भी यह जरूरी है कि देशी अर्थव्यवस्था में निवेश एवं प्रतिस्पर्धा के लिए अनुकूल स्थितियां हों। इसके अभाव में ना तो संरक्षणवाद काम आया है, और ना ही खुले व्यापार का रास्ता!

आम आदमी की थाली पर महंगाई का सर्जिकल स्ट्राइक 2026!

महंगी थाली,जेब खाली और जनता परेशान!

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनार्नी

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर महंगाई जब केवल आर्थिक आंकड़ों तक सीमित रहती है,थाली महंगी,बचत पर संकट और मध्यमवर्ग की बढ़ती बेचैनी,तब उसका प्रभाव बाजार की रिपोर्टों और सरकारी दस्तावेजों में दिखाई देता है,लेकिन जब वही महंगाई रसोई की चौखट पार करके आम आदमी की थाली, परिवार के मासिक बजट, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य खर्च और भविष्य की बचत पर चोट करने लगती है,तब वह केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक चुनौती बन जाती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनार्नी गोंदिया महाराष्ट्र बाताना चाहूंगा कि भारत में14 अक्टूबर को सामने आए थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर के 11.39 प्रतिशत तक पहुंचने के दावे, सितंबर 2026 की महंगाई से जुड़े आंकड़ों ने इसी गंभीर परिस्थिति की ओर संकेत किया है। इसके पूर्व 13 अक्टूबर को जारी खुदरा महंगाई के आंकड़ों में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई दर बढ़कर 5.54 प्रतिशत पहुंचने और अभी थोक मूल्य सूचकांक ने आर्थिक बहस को तेज कर दिया है। यदि इन आंकड़ों की पुष्टि आधिकारिक मूल विज़िसियों से होती है, तो यह स्थिति सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), उद्योग जात और करोड़ों घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गंभीर चिंता का विषय होगी सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब रसोई का खर्च लगातार बढ़ने लगे, तो आम परिवार अपनी ज़रूरतों, इच्छाओं और बचत के बीच संतुलन आखिर कैसे बनाए ?

साथियों बात अगर हम रसोई के बजट पर महंगाई का सीधा हमला इसकी समझने की करें तो,शक्कर दालों से लेकर व प्याज से लेकर नींबू तक बढ़ती परेशानी भारतीय परिवारों के लिए रसोई केवल भोजन तैयार करने की जगह नहीं,बल्कि घरेलू अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। दाल, चावल, आटा, प्याज, आलू, लहसुन,अदरक, नींबू और खाद्य तेल जैसी वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का असर लाभग्न हर आय वर्ग पर पड़ता है।विशेष रूप से निम्न आय वर्ग और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए खाद्य पदार्थों की महंगाई अधिक कष्टकारी होती है, क्योंकि उनकी आय का बड़ा हिस्सा रोजमर्रा की ज़रूरतों पर खर्च होता है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कमजोर या चतुर प्रशासक

इतिहास में दो बार महाभियोग का सामना करने वाले

एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हैं।

दूसरा महाभियोग, उन पर 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी कैपिटल, संसद भवन में हुई हिंसा और भीड़ को भड़काने का आरोप लगाया गया था। इस मामले में भी बाद में सीनेट ने उन्हें बरी कर दिया था। अमेरिकी इतिहास में एंड्रयू जॉनसन और बिल क्लिंटन पर भी महाभियोग चलाया गया था, लेकिन उन दोनों पर केवल एक-एक बार ही यह कार्रवाई हुई थी। डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी को बलशाली या कमजोर राष्ट्रपति कहना एक राजनीतिक मूल्यांकन की बात है, निर्विवाद ऐतिहासिक तथ्य नहीं।

राजनीति विज्ञान और इतिहास में किसी राष्ट्रपति के कमजोरी या मजबूत होने का का निर्धारण इस आधार पर नहीं होता कि वे व्यक्तिगत रूप से कितने लोकप्रिय थे, बल्कि इस बात पर होता है कि उन्होंने अमेरिकी नीति, अर्थव्यवस्था, समाज और वैश्विक स्थिति पर कितना गहरा और स्थायी प्रभाव छोड़ा। अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का देश को टूटने से बचना और गुलामी का अंत, फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट का महान मंदी और द्वितीय विश्व युद्ध से देश को उबारना,और जॉर्ज वाशिंगटन, संस्थागत नॉब रखने वाले को सबसे शक्तिशाली माना जाता है।

जेम्स बुकानन ,गृहयुद्ध को रोकने में असमर्थता, एंड्रयू जॉनसन को अक्सर अमेरिकी इतिहास के कमजोर और असफल राष्ट्रपतियों में गिना जाता है, क्योंकि उनके कार्यकाल में देश संकटों से निपटने में विफल रहें हैं।हालाकि, नेतृत्व, नीतियों, लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति दृष्टिकोण, सहयोगी देशों से संबंधों और अमेरिकी समाज में बढ़ते ध्रुवीकरण के आधार पर उनकी आलोचना के पर्याप्त कारण हैं। अमेरिकी इतिहास में कुछ ही राजनीतिक हस्तियां ऐसी हुई हैं जिन्होंने डोनाल्ड ट्रंप जितनी तीव्र प्रतिक्रियाएँ, ध्रुवीकरण और बहसें पैदा की हों। जब यह प्रश्न उठाया जाता है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के कमजोर राष्ट्रपति हैं, तो यह केवल उनके कार्यकाल की सफलताओं या असफलताओं का आकलन नहीं रह जाता, बल्कि यह अमेरिकी प्रेसीडेंसी राष्ट्रपतियों की संस्था के इतिहास, शासन प्रणालियों और राजनीतिक संस्कृति की गहरी समीक्षा बन जाता है। इस विषय पर



विचार करने के लिए हमें उनके कार्यकाल को इतिहास के अन्य प्रमुख राष्ट्रपतियों की तुलना में देखना होगा। इस संदर्भ में, डोनाल्ड ट्रंप का मूल्यांकन सीधा नहीं है। उनके समर्थकों की नजर में वे एक क्रांतिकारी और दूरदर्शिता नेता हैं, जबकि आलोचकों की नजर में वे संस्थाओं को कमजोर करने वाले और लोकतांत्रिक मानदंडों को चुनौती देने वाले राष्ट्रपति रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप की शासन शैली पारंपरिक अमेरिकी राष्ट्रपतियों से बिल्कुल अलग थी। उनकी कार्यप्रणाली के मुख्य स्तंभ निम्नलिखित रहे हैं: उन्होंने पारंपरिक अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों (जैसे नाटो, पेरिस जलवायु समझौता, ईरान परमाणु समझौता) को चुनौती दी और अमेरिका के आर्थिक हितों को सबसे ऊपर रखा। उन्होंने चीन के साथ एक लंबा व्यापार युद्ध लड़ा । ट्रंप ने मुख्यधारा के मीडिया, खुफिया एजेंसियों (एफबीआई, सीआईए) और न्यायपालिका पर लगातार सवाल उठाए। उन्होंने रूढ़िवादी विचारधारा के न्यायाधीशों सुप्रीम कोर्ट में तीन नियुक्तियों सहित को नियुक्त किया, जिसे उनके समर्थकों ने ऐतिहासिक जीत माना। ट्रंप ने पारंपरिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बजाय ट्विटर अब एक्स के माध्यम से सीधे जनता से संवाद किया, जिसने राजनीतिक संवाद की भाषा को हमेशा के लिए बदल दिया।उनके कार्यकाल (2017-2021) में 2017 का कर कटौती और नौकरियां अंधिनियम पारित हुआ, जिससे कॉर्पोरेट करों में भारी कमी आई और कोविड-19 महामारी से पहले

राजनीति में चमचा नहीं, बेलचा बनना चाहिए

चैतन्य मिश्रा

राजनीति केवल सत्ता के गलियारों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने, नेताओं के आसपास घूमने, प्रशंसा के पुल बांधने और व्यक्तिगत लाभ के अवसर तलाशने का माध्यम नहीं है। राजनीति का वास्तविक उद्देश्य जनसेवा, जनसमस्याओं का समाधान और व्यवस्था को जनहित के प्रति जवाबदेह बनाना है। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में एक ऐसी प्रवृत्ति तेजी से दिखाई देती है, जिसमें अनेक लोग अपनी राजनीतिक पहचान और भविष्य को अपने विचारों, कार्यों तथा जनाधार के बजाय किसी प्रभावशाली नेता की निकटता से जोड़कर देखते हैं। ऐसे में यह कहना प्रासंगिक हो जाता है कि राजनीति में चमचा नहीं, बेलचा बनना चाहिए।यह कथन केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि राजनीतिक चरित्र, आत्मसम्मान और वैचारिक स्वतंत्रता की कसौटी है। चमचा बनने का अर्थ है-बिना सोचे-समझे किसी की हां में हां मिलाना, गलत को भी सही ठहराना और अपने विवेक को व्यक्तिगत लाभ के लिए गिरवी रख देना। इसके विपरीत, बेलचा बनने का अर्थ है- जमीन से जुड़ना, जनसमस्याओं की जड़ों तक पहुंचना, व्यवस्था में जमी गंदगी को बाहर निकालना और विकास के रास्ते में खड़ी बाधाओं को हटाने का साहस दिखाना।

चापलूसी से नहीं, कर्म से बनती है राजनीतिक पहचान

राजनीति में किसी वरिष्ठ नेता का सम्मान करना, संगठन के प्रति निष्ठावान रहना और नेतृत्व के निर्णयों का समर्थन करना गलत नहीं है। आखिरकार, किसी भी राजनीतिक दल की मजबूती अनुशासन, सामूहिकता और संगठनात्मक निष्ठा पर निर्भर करती है। लेकिन निष्ठा और चापलूसी के बीच एक स्पष्ट अंतर है। निष्ठा संगठन के सिद्धांतों के प्रति होती है, जबकि चापलूसी अक्सर व्यक्तिगत स्वार्थ के इर्द-गिर्द घूमती है।

जब कोई व्यक्ति नेतृत्व की हर बात को अंतिम सत्य मानने लगता है, तब उसकी स्वतंत्र राजनीतिक सोच कमजोर पड़ने लगती है। वह जनता की समस्याओं पर सवाल उठाने के बजाय यह देखने लगता है कि उसके सवाल से किसी नेता की नाराजगी तो नहीं बढ़ जाएगी। धीरे-धीरे जनहित पीछे छूट जाता है और व्यक्तिगत लाभ प्राथमिकता बन जाता है।

ऐसी राजनीति में पद तो मिल सकते हैं, लेकिन जनविश्वास अर्जित करना कठिन हो जाता है। क्योंकि जनता केवल यह नहीं देखती कि कौन किस नेता के कितने करीब है; जनता यह भी देखती है कि संकट के समय कौन उसके साथ खड़ा हुआ, किसने उसकी आवाज उठाई और किसने जिम्मेदार लोगों से जवाब मांगा।

राजनीतिक अस्तित्व का आधार पद नहीं, जनाधार है

राजनीति में वास्तविक अस्तित्व किसी पद, सिफारिश, गुट या प्रभावशाली व्यक्ति की कृपा पर स्थायी रूप से नहीं टिका रह सकता। पद बदलते हैं, सत्ता के समीकरण बदलते हैं और राजनीतिक परिस्थितियां भी समय के साथ करवट लेती हैं। ऐसे में वही व्यक्ति लंबे समय तक

अपनी प्रासंगिकता बनाए रख सकता है, जिसने जनता के बीच अपना विश्वास, कार्यकर्ताओं के बीच अपना सम्मान और संगठन में अपनी उपयोगिता स्थापित की हो।

यदि किसी राजनीतिक कार्यकर्ता की पहचान केवल इस बात से है कि वह किस नेता के साथ दिखाई देता है, तो उसका राजनीतिक भविष्य नेतृत्व में होने वाले बदलावों के साथ प्रभावित हो सकता है। लेकिन यदि उसकी पहचान जनसमस्याओं के समाधान, संगठन के विस्तार, जनहित में संघर्ष और स्पष्ट विचारों से है, तो परिस्थितियां बदलने पर भी उसका महत्व बना रह सकता है।

राजनीतिक अस्तित्व का वास्तविक अर्थ केवल पद हासिल करना नहीं, बल्कि ऐसा विश्वास अर्जित करना है जिसके कारण लोग आपकी बात सुनें, आपके संघर्ष पर भरोसा करें और आपको अपनी समस्याओं का प्रतिनिधि मानें।

सवाल पछुना बगावत नहीं, जिम्मेदार राजनीति है

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत सवाल पूछने का अधिकार है। यदि किसी जनप्रतिनिधि, मंत्री, अधिकारी या संगठन के पदाधिकारी से जनहित से जुड़े विषय पर सवाल पूछा जाता है, तो उसे व्यक्तिगत विरोध या अनुशासनहीनता के चरमे से नहीं देखा जाना चाहिए।

सत्ता में बैठे लोगों की प्रशंसा करना आसान है, लेकिन उनकी गलतियों पर विमर्शता और तथ्यों के साथ सवाल उठाना साहस का काम है। राजनीतिक कार्यकर्ता का दायित्व केवल अपने नेतृत्व की उपलब्धियों का प्रचार करना नहीं, बल्कि जनता की अपेक्षाओं और वास्तविक परिस्थितियों के बीच की दूरी को नेतृत्व तक पहुंचाना भी है।

यदि किसी क्षेत्र में सड़कें जर्जर हैं, अस्पतालों में सुविधाओं की कमी है, युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिल रहे हैं, किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है या सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक नहीं पहुंच रहा है, तो इन मुद्दों को उठाना राजनीति का मूल कर्तव्य है।जो कार्यकर्ता इन समस्याओं को जानते हुए भी केवल अपनी राजनीतिक सुविधा के कारण मौन रहता है, उसे आत्मसमर्पण करना चाहिए। सवाल यह नहीं है कि नेतृत्व नाराज होगा या प्रसन्न; सवाल यह है कि जनता की आवाज को उचित मंच तक पहुंचाने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा?

राजनीतिक व्यवस्था को बेलचे की ज़रूरत है

व्यवस्था में कमियां अपने आप दूर नहीं होतीं। इसके लिए ऐसे लोगों की आवश्यकता होती है जो समस्या को पहचानें, उसके कारणों को समझें, प्रमाणों के आधार पर सवाल उठाएं और समाधान के लिए निरंतर प्रयास करें।

बेलचा जमीन की ऊपरी परत तक सीमित नहीं रहता, बल्कि खुदाई करके भीतर तक पहुंचता है। इसी प्रतीकात्मक अर्थ में राजनीति को भी ऐसे कार्यकर्ताओं की ज़रूरत है जो केवल मंचों पर भाषण न दें, बल्कि

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में तेजी आई।डोनाल्ड ट्रंप को बेहतर ढंग से समझने के लिए उनकी तुलना अमेरिकी इतिहास के कुछ अन्य प्रमुख राष्ट्रपतियों से करना आवश्यक है

एंड्रयू जैक्सन से तुलना

डोनाल्ड ट्रंप की तुलना अक्सर 19वें सदी के राष्ट्रपति एंड्रयू जैक्सन से की जाती है। जैक्सन की तरह, ट्रंप ने भी खुद को %आम आदमी% का चैंपियन बताया और स्थापित राजनीतिक तंत्र के खिलाफ मोर्चा खोला। दोनों नेताओं ने अपनी राजनीतिक ताकत जनसमर्थन और लोकलुभावन अपील से प्राप्त की। जैक्सन की तरह ट्रंप ने भी कार्यपालिका की शक्ति को अपनी शैली के अनुसार मोड़ने का प्रयास किया।

रिपब्लिकन पार्टी के भीतर डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां रोनाल्ड रीगन से भिन्न थीं। जहां रीगन मुक्त व्यापार, वैश्वीकरण और मजबूत अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों के प्रबल समर्थक थे, वहीं ट्रंप ने संरक्षणवाद आयात शुल्क और अलगाववाद का मार्ग चुना। इसके बावजूद, दोनों ने करों में कटौती और रूढ़िवादी न्यायिक नियुक्तियों के एजेंडे को आगे बढ़ाया।

संकट प्रबंधन में फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट या अब्राहम लिंकन से अंतर मजबूत राष्ट्रपतियों की श्रेणी में वे नेता आते हैं जिन्होंने राष्ट्रीय संकटों के समय देश को एकजुट किया। इसके विपरीत, आलोचकों का तर्क है कि कोविड-19 महामारी के दौरान और 2020 के राष्ट्रपति चुनावों के बाद (विशेषकर 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल की घटना) ट्रंप की भूमिका विभाजनकारी रही। इतिहासकार संकट के समय देश को पाटने के बजाय बांटने वाले नेताओं को कमजोर या विवादास्पद श्रेणी में रखते हैं।ट्रंप के मूल्यांकन में दो विरोधी धाराएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं-दशकों में पहली बार किसी नए बड़े युद्ध की शुरुआत न करना अब्राहम समझौते के तहत पश्चिम एशिया में शांति प्रयास।अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और बेरोजगारी दर को ऐतिहासिक निचले स्तर पर लाना।

चीन के खिलाफ सख्त रुख अपनाकर अमेरिकी व्यापार हितों की रक्षा करना।

राजनीति में चमचा नहीं, बेलचा बनना चाहिए

गांवों, कस्बों, बाड़ों और आम नागरिकों के बीच जाकर वास्तविक समस्याओं को समझें।

राजनीति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि किसी जनप्रतिनिधि ने अपने क्षेत्र में क्या बदलाव किया, किसी पदाधिकारी ने संगठन को कितना मजबूत बनाया और किसी कार्यकर्ता ने जनता के लिए कितना संघर्ष किया। केवल स्वागत समारोहों में उपस्थिति, बड़े नेताओं के साथ तस्वीरें और सोशल मीडिया पर प्रशंसा के संदेश किसी व्यक्ति की वास्तविक जनसेवा का पर्याप्त प्रमाण नहीं हो सकते।

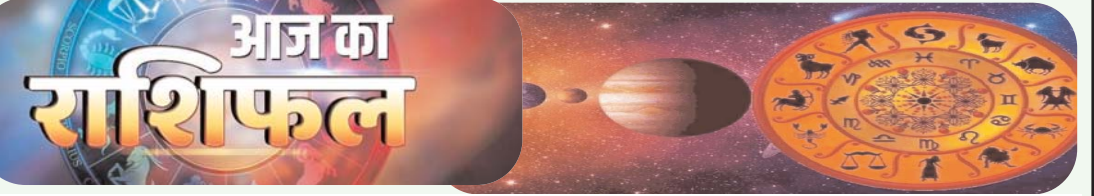
व्यवस्था की खामियों को उजागर करना तभी सार्थक है, जब आलोचना तथ्यों पर आधारित हो और उसका उद्देश्य सुधार हो। केवल विरोध के लिए विरोध करना भी उतना ही नुकसानदायक है, जितना हर गलत निर्णय का समर्थन करना।

नेतृत्व को भी पसंद आने चाहिए सवाल पूछने वाले कार्यकर्ता
किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती इस बात से तय होती है कि वहां विचारों, सुझावों और असहमति के लिए कितनी जगह है। यदि नेतृत्व केवल प्रशंसा सुनना चाहता है और असहज सवाल पूछने वालों को विरोधी मानने लगता है, तो धीरे-धीरे संगठन के भीतर वास्तविक समस्याओं की जानकारी पहुंचनी बंद हो सकती है।

एक सक्षम नेतृत्व वही है जो अपने समर्थकों से भी तथ्यात्मक सवाल सुन सके, गलतियों को स्वीकार करे और सुधार के लिए तैयार रहे। जो कार्यकर्ता कमियों को ओर ध्यान दिलाता है, वह हमेशा विरोधी नहीं होता; कई बार वही संगठन को बड़ी राजनीतिक क्षति से बचाने का प्रयास कर रहा होता है।इसी तरह कार्यकर्ताओं को भी अपनी आलोचना में मर्यादा, प्रमाण और समाधान का भाव बनाए रखना चाहिए। व्यक्तिगत आरोप, अपमानजनक भाषा और निराधार दावे राजनीतिक विमर्श को कमजोर करते हैं। असहमति का उद्देश्य किसी व्यक्ति को नीचा दिखाना नहीं, बल्कि निर्णयों और व्यवस्था को बेहतर बनाना होना चाहिए।

आत्मसम्मान बचाकर ही संभव है राजनीतिक विकास
राजनीति में आगे बढ़ने के लिए संवाद, संबंध और संगठनात्मक सहयोग आवश्यक हैं। लेकिन इन सबके बीच अपने आत्मसम्मान और वैचारिक स्वतंत्रता को बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि कोई व्यक्ति केवल पद पाने की उम्मीद में अपनी बात कहने का साहस खो देता है, तो उसे यह समझना चाहिए कि उसने पद की संभावना के सामने अपने राजनीतिक व्यक्तित्व को छोटा कर लिया है।

राजनीतिक कार्यकर्ता को नेतृत्व का सहयोगी बनना चाहिए, निजी प्रशंसक मात्र नहीं। उसे संगठन के निर्णयों को समझना चाहिए, जनहित में उनका समर्थन करना चाहिए और जहां आवश्यक हो, उचित मंच पर सुधार के सुझाव भी देने चाहिए। यही परिपक्व राजनीतिक व्यवहार है। राजनीति में सम्मान मांगने से अधिक, अपने काम से अर्जित किया जाता है।



मे़ष राशि: मे़ष राशि वालों आज आपका दिन खास होने वाला है। बच्चे आपको कोई शुभ समाचार देंगे, जिससे परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। सेहत के मामले में आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे। पिछले दिनों की गयी मेहनत का आज आपको बेहतर फल मिलेगा।

वृ़ष राशि: वृ़ष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप अपने खर्चें पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को शिक्षकों का सपोर्ट मिलेगा। आज आपको बातों से लोग प्रभावित होंगे, वे आपका अनुसरण करेंगे।

मि़थुन राशि: मि़थुन राशि वालों आज आपका दिन फे़वरबल रहेगा। आप ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बिता सकते हैं। आज आपके लिए कोई फैसला करना कठिन होगा। ऑफिस में काम ज्यादा होने के कारण जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान कैसिल हो सकता है।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। घर पर अचानक कोई रिश्तेदार आ सकते हैं, जिससे घर के माहौल में कुछ अच्छे बदलाव आएंगे। आज आपको किसी भी कोर्ट कचहरी के मामले में पड़ने से बचना चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे। साथ काम करने वाले लोगों से आपको मदद मिलेगी। दोस्तों की मदद से आपके काम की प्तानिर्गन सफल होगी। लाएंगी।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखें, इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर ही लेने चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप उत्लझन की स्थिति में आ सकते हैं, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जाएगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी कॉम्पिटिटिव एग्जाम से रिलेटेड कोई शुभ समाचार मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। आज आप दोस्तों के साथ खुशी के पल बिताएंगे।

वृ़श्चिक राशि: वृ़श्चिक राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे। आपके कुछ कामों में अधिक समय लगेगा, लेकिन किसी सहकर्मी की मदद से पूरा करने में सफल होंगे। इस राशि के छात्रों को आज पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने की ज़रूरत है।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। आपको सबका पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे। लवमेट के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका दिन घूमने-फिरने में बीत सकता है। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक कोई बड़ा धन लाभ होगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा मजबूत होगा। आपके काम से जीवनसाथी को प्रसन्नता होगी।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे। मेहनत से किए गए काम में आपको सफलता मिलेगी। इस राशि के कॉलेज के स्टूडेंट्स को नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा।

गंतव्य स्थल से आगे का पर्यटन: भारत की अगली बड़ी छलांग साझेदारी पर क्यों आधारित होनी चाहिए

गजेंद्र सिंह शेखावत

भारत में गंतव्य स्थलों की कभी कोई कमी नहीं रही है। कमी अगर रही है, तो बस उस संस्थागत परिकल्पना की, जिसके जरिये दुनिया इन स्थलों को जानने में सक्षम हो सके, वहाँ पहुँच सके, उन्हें अनुभव कर सके और सबसे ज़रूरी बात—वहाँ बार-बार जा सके।

हमारी सांस्कृतिक विरासत बेमिसाल है: यहाँ सब कुछ है – प्राचीन शहर और जीवंत परंपराएँ, शिवर परिदृश्य और वन्यजीव, वास्तुकला और पिरिय, खान-पान और त्योहार, पहाड़ और समुद्र तट, आदि। लेकिन सिर्फ विरासत से ही पर्यटन नहीं बनता। कोई स्मारक अपने-आप में गंतव्य स्थल नहीं होता; एक गंतव्य स्थल असल में एक पूरा इकोसिस्टम होता है। इसमें शामिल हैं—वहाँ तक ले जाने वाली सड़क, यात्रा से जुड़ी कहानी, यात्रियों का स्वागत करने वाला आतिथ्य, उसे असली पहचान देने वाले कारीगर, उसे खोजने में मदद करने वाली तकनीक और वह समुदाय जिसकी भागीदारी यह तय करती है कि पर्यटन एक आर्थिक अवसर बनेगा या बस एक अनुचित प्रवेश रह जाएगा।

इसीलिए भारतीय पर्यटन के अगले अध्याय को सिर्फ पर्यटन स्थलों के नज़रिए से नहीं, बल्कि साझेदारी के नज़रिए से भी तय किया जाना चाहिए। पर्यटन का पुरानी संरचना काफी हद तक ऊपर से नीचे की ओर श्रेणीबद्ध थी। सरकारें अवसरंचना बनाती थीं, गंतव्य स्थलों को बढ़ावा दिया जाता था, उद्योग जात पर्यटकों के आने-जाने और ठहरने की व्यवस्था करता था और समुदाय काफी हद तक हाथिए पर रहते थे। नयी संरचना सबकी बराबर

भागीदारी वाली होनी चाहिए। सरकार, उद्योग जगत, प्रौद्योगिकी कंपनियां, रचनाकार, निवेशक, राज्य, स्थानीय निकाय और समुदायों को मिलकर पर्यटन के अनुभव का निर्माण करना चाहिए।

यह फर्क सिर्फ शब्दों का नहीं है। यह विकास को समझने के हमारे नज़रिए में एक बुनियादी बदलाव को दिखाता है।

आज पर्यटन का मतलब सिर्फ लोगों का एक जगह से दूसरी जगह जाना नहीं है। यह विचारों, कहानियों, उम्मीदों, पूंजी और सांस्कृतिक प्रभाव का आवागमन है। यात्री अब सिर्फ भारत को देखना नहीं चाहते, बल्कि उसे अनुभव करना चाहते हैं — लोग खान-पान का स्वाद लेना, परंपराओं को समझना, घरों में जाना, कारीगरों से मिलना और यहाँ की जीवंत संस्कृति में, चाहे थोड़ी देर के लिए ही सही, भाग लेना चाहते हैं।

यह बदलाव भारत के लिए एक शानदार अवसर लेकर आया है।

लेकिन बिना तालमेल के अवसर का लाभ शायद ही मिल पाता है।

इसलिए सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है, भले ही यह बदलती रहती हो। इसकी जिम्मेदारी सब कुछ खुद करने की नहीं है; बल्कि ज्यादा चीज़ों को संभव बनाने की है। सड़कों,वाईअडों, रेलवे, स्वच्छता डिजिटल अवसरंचना, विरासत संरक्षण और नागरिक सुविधाओं में सरकारी निवेश वह आधार तैयार करता है, जिस पर निजी क्षेत्र नवाचार और निवेश कर सकता है। राजनीतिक इच्छाशक्ति निरंतरता और दिशा देती है। उद्योग जगत पूंजी, प्रबंधन विशेषज्ञता, तकनीक और बाज़ार तह पहुंच में योगदान देता है।

समुदाय वह चीज़ देते हैं, जिसे कोई सरकार या निगम नहीं बना सकता: प्रामाणिकता।

असली चुनौती इन क्षमताओं को एक साथ लाने की है।

उद्योग जगत के साथ पर्यटन मंत्रालय का बढ़ता जुड़ाव इसी दिशा में एक प्रयास है। ग्यारह रणनीतिक समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप दिया गया है, जिनमें से पांच का विश्व पर्यटन दिवस 2026 को आदान-प्रदान हुआ है। उनका महत्व केवल दस्तावेजों को लेकर नहीं है, बल्कि उन क्षमताओं में है, जिन्हें वे जोड़ना चाहते हैं – प्रौद्योगिकी, आवागमन, आतिथ्य, कंटेंट, डिजिटल आउटरीच और स्थानीय उद्यम।

गंतव्य स्थल की खोज करने के बदलते अर्थशास्त्र पर विचार करें।

एक पीढ़ी पहले, किसी यात्री को यात्रा गाइड या विज्ञापन के माध्यम से भारत की जानकारी मिलती होगी। आज, एक गंतव्य स्थल एक फिल्म, एक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, एक रचनाकार को कहानी या मोबाइल फोन में सामने आई एक छवि के माध्यम से वैश्विक परिकल्पना में प्रवेश कर सकता है। नेटफ्लिक्स के साथ सहयोग गंतव्य प्रचार की इस नई व्यवस्था को प्रदर्शित करता है, जो भारत की संस्कृति, वन्य जीवन और पहाड़ी परिदृश्यों को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने दिखाती है। आईटीबी वर्ल्डन 2026 में प्रदर्शित भारत के स्वाद और लंदन व न्यूयॉर्क में प्रचार अभियान यह दर्शाते हैं कि कैसे पर्यटन का भूगोल; कहानी कहने के भूगोल से पहले ही महत्वपूर्ण हो जाता है।

लेकिन कहानी सुनाने से अंततः यात्रा करने का कारण अवश्य मिलना चाहिए।

शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

विदेश समाचार

पाकिस्तान के पेशावर में स्कूल की छत गिरने से एक शिक्षक समेत 2१ बच्चों की मौत



पेशावर(आरएनएस) । पाकिस्तान के पेशावर में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां के दिर कॉलोनी में एक निजी स्कूल की छत गिरने से 20 छात्रों और एक महिला शिक्षिका सहित 21 लोगों की मौत हो गई। लेडी रीडिंग अस्पताल के प्रवक्ता मुहम्मद आसिम ने बताया कि जान गंवाने वाले सभी बच्चों की उम्र 13 से कम है। हादसे के बाद अस्पताल 17 बच्चे घायल अवस्था में लाए गए थे, जिन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ा है। पाकिस्तान की रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी ने बताया कि बचाव कर्मियों ने छात्रों और शिक्षकों सहित लगभग 20 लोगों को अस्पतालों पहुंचाया था। स्कूल के करीब 10 से अधिक बच्चों को प्राथमिक उपचार देकर अस्पतालों से वापस भेज दिया गया है। अभी भी कई बच्चों के मलबे के नीचे फंसे होने की आशंका है। बचाव और राहत कार्य जारी है। अस्पतालों में आपातकाल घोषित किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में सुरक्षा मानकों की कमी और घटिया निर्माण सामग्री के कारण छतों और इमारतों का गिरना आम है। जुलाई में, उमरकोट के पास एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय की बाहरी दीवार का एक हिस्सा ढह जाने से 3 से 13 वर्ष की आयु की तीन लड़कियों की मौत हो गई। जून में, लाहौर के काहना इलाके में एक निजी ट्यूशन सेंटर की छत गिरने से 14 बच्चों की जान चली गई थी।

जर्मनी में इमारत में आग लगने से 3 भारतीय छात्रों की मौत, हत्या की आशंका में 4१ साल का शरख्स गिरफ्तार

जर्मनी (आरएनएस), । जर्मनी के नॉर्थ राइन-वेस्टफेलिया राज्य के बोखुम शहर में आग की चपेट में आने से तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। आग एक इमारत की दूसरी मंजिल पर लगी।जानकारी के अनुसार, तीनों यहां रहकर पढ़ाई कर रहे थे। मृतकों में दो युवतियां और एक युवक शामिल है। जांचकर्ताओं को शक है कि आग जानबूझकर लगाई गई थी। हत्या के शक में 4१ साल के एक व्यक्ति को संदिग्ध माना जा रहा है। जर्मनी में भारतीय दूतावास ने घटना की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पोस्ट पर साझा की। दूतावास ने बताया कि जर्मनी के नॉर्थ राइन-वेस्टफेलिया राज्य के बोखुम शहर में आग लगने की एक दुखद घटना में तीन भारतीय नागरिकों (दो युवतियां और एक युवक) की मौत हो गई है। तीनों जर्मनी में पढ़ाई कर रहे थे। बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास और फ्रैंकफर्ट स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास स्थानीय अधिकारियों और मृतकों के परिवारों के संपर्क में हैं तथा हर संभव सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। इस घटना की जांच जर्मन अधिकारी कर रहे हैं। दूतावास ने कहा कि इस दुख की घड़ी में हम शोक-संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। जानकारी के अनुसार, आग इमारत की दूसरी मंजिल पर लगी। घटना के कारणों की जांच जारी है। अग्निकांड में कई अन्य लोगों के घायल होने की भी खबर है। कई घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चीनी पुर्जो से बैलिस्टिक मिसाइलें बना रहे हूती विद्रोही, सऊदी अरब और इजरायल की बढ़ी चिंता -यमन के होदेइदाह बंदरगाह तक पहुंचाई जानी थीं मिसाइलों से जुड़े उपकरणों की दो खेप, जांच रिपोर्ट में खुलासा

यमन,(आरएनएस), । सऊदी अरब के साथ जारी संघर्ष के बीच यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोही चीन में निर्मित पुर्जों की मदद से अपनी बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की क्षमता विकसित कर रहे हैं। संघर्ष आयुध अनुसंधान (कॉन्मिलक्ट आर्मामेंट रिसर्च) की एक नई रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, हूती विद्रोही इन पुर्जों का इस्तेमाल कर ऐसी मिसाइल प्रणाली विकसित करना चाहते हैं, जिससे सऊदी अरब और इजरायल में स्थित लक्ष्यों पर सटीक हमला किया जा सके। यह रिपोर्ट बुधवार, 14 अक्टूबर को जारी की गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, यमनी अधिकारियों ने मिसाइल निर्माण से जुड़े संदिग्ध उपकरणों और पुर्जों से भरी दो खेप जब्त की हैं। सूत्रों के अनुसार, ये उपकरण चीन से भेजे गए थे और इन्हें यमन के उस होदेइदाह बंदरगाह तक पहुंचाया जाना था, जो हूती विद्रोहियों के नियंत्रण में है। शोधकर्ताओं का मानना है कि जब्त किए गए पुर्जे हूती विद्रोहियों को ईरान की ‘खेइबर शेकान’ जैसी मिसाइल विकसित करने में मदद कर सकती हैं। यह लगभग दो हजार किलोमीटर तक मार करने में सक्षम सटीक निर्देशित बैलिस्टिक मिसाइल है। इस खुलासे से सऊदी अरब और इजरायल की सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं, क्योंकि ऐसी क्षमता विकसित होने से क्षेत्र में मिसाइल हमलों का खतरा और गंभीर हो सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जब्त की गई खेपों में मिसाइल निर्माण से संबंधित कई महत्वपूर्ण घटक शामिल थे। इनमें स्थिरता बनाए रखने वाले पंखों का केंद्रीय हिस्सा, नोजल जोड़ने वाले उपकरणों सहित रॉकेट मोटर का अंतिम आवरण और रॉकेट मोटर प्रज्वलित करने वाला उपकरण शामिल



हैं।

इसके अलावा, खेप में फेनोलिक रेजिन नामक पदार्थ भी मिला है। इसका उपयोग मिसाइलों के लिए तापरोधी सुरक्षा आवरण बनाने में किया जाता है, जो वायुमंडल में उड़ान के दौरान अत्यधिक गर्मी से मिसाइल के हिस्सों को रक्षा करता है।

इस खुलासे से संकेत मिलता है कि हूती विद्रोही केवल विदेशों से मिलने वाले हथियारों और सैन्य उपकरणों पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि मिसाइल निर्माण की अपनी क्षमता भी विकसित कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने यमन की सेना से जब्त किए गए पुराने हथियारों के आधार पर अपनी

मनोरंजन

नयी नवेली पर यामी गौतम बोलीं- यह फिल्म मेरा चुलबुला अंदाज दिखाएंगी



यामी गौतम अपनी आने वाली फिल्म नयी नवेली से दर्शकों को कुछ नया दिखाने वाली हैं। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें यामी मोहिनी नाम की एक चुलबुली और शरारती दुल्हन का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने पहले ऐसा किरदार कभी नहीं निभाया है। बालाजी मोहन ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। यह फिल्म यामी को अपना एक सहज और बिंदास अंदाज दिखाने का मौका देगी।जी वी प्रकाश कुमार ने इसका दमदार म्यूजिक तैयार किया है और विजय गांगुली ने

अपनी मजेदार कोरियोग्राफी से गानों में चार चांद लगाए हैं।यह फिल्म मेरठ की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें मोहिनी एक ऐसी लड़की है, जो ऊपर से तो एक आदर्श दुल्हन दिखती है, लेकिन अपने अंदर एक अलौकिक रहस्य छिपाए हुए है।यह रहस्य भारतीय पौराणिक कथाओं से प्रेरित है। फिल्म को हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। इसका निर्माण आनंद एल राय और शर्मा ने कलर थेलो के बैनर तले किया है। कलर थेलो प्रोडक्शन हाउस पहली बार अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के साथ मिलकर काम कर रहा है। नयी नवेली में दर्शकों को कुछ ऐसे मोड़ देखने को मिलेंगे, जिनको उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। यामी हाल ही में फिल्म धुरंधर: द रिवेज में एक छोटे भूमिका में दिखाई दी थीं। इसके अलावा, पिछले कुछ सालों में उन्होंने हक और आर्टिकल 370 जैसी फिल्मों में भी मुख्य भूमिका निभाई हैं।

टैरेस लुईस दिखाएंगे अभिनय का हुनर, फिल्म आज का महिषासुर से सिनेमा में रखेंगे कदम, फिल्म का पहला पोस्टर जारी



मशहूर नृत्य निर्देशक टैरेस लुईस अब अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। उनकी पहली फिल्म ‘आज का महिषासुर’ का पहला पोस्टर सामाजिक माध्यमों पर जारी कर दिया गया है। सामाजिक विषयों और समकालीन रोमांच से भरपूर इस फिल्म का निर्देशन धीरज कुमार ने किया है, जबकि गौरंग भास्कर इसके निर्माता हैं।फिल्म में टैरेस लुईस के साथ पद्मिनी कोल्हापुरे, चंदन रॉय, आयशा ऐमान और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। चंदन रॉय को लोकप्रिय धारावाहिक ‘पंचायत’ में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है। फिल्म के माध्यम से टैरेस बड़े पर्दे पर अपनी नई भूमिका में दर्शकों के सामने आएंगे।अपनी पहली फिल्म को लेकर उत्साहित टैरेस लुईस सबसे पहले मुंबई के प्रसिद्ध मुंबा देवी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने फिल्म का पोस्टर मां के चरणों में अर्पित कर आशीर्वाद लिया। बड़े पर्दे पर अभिनय की शुरुआत करने जा रहे टैरेस के लिए यह अवसर खास रहा।टैरेस ने फिल्म की विषयवस्तु के बारे में बताया कि ‘आज का महिषासुर’ महिषासुर की पारंपरिक अवधारणा से आगे बढ़कर उन बुराइयों को उजागर करने का प्रयास करती है, जो हमारे आसपास और हमारे भीतर मौजूद हैं, लेकिन अक्सर उन पर ध्यान नहीं दिया जाता।सामाजिक विषयों और समकालीन रोमांच को जोड़ती यह फिल्म किन परिस्थितियों और मुद्दों को सामने लाएंगी, इसे लेकर दर्शकों में उत्सुकता है। हालांकि, फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है।

विद्या बालन हमेशा अपनी अलगग-अलग

पटकथाओं और भूमिकाओं से दर्शकों को चौंकाती हैं। हिंदी सिनेमा में सफलता के बाद अब वो नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म जेलर 2 से एक बार फिर साउथ का रुख कर रही हैं। फिल्म में विद्या कांता का किरदार निभाएंगी, जिसकी पारिवारिक भावनाएं बेहद मजबूत हैं। भारतीय सिनेमा के थलाइवा रजनीकांत के साथ उन्होंने पहली बार स्क्रीन शेयर की है। हाल ही में विद्या ने अपनी इस फिल्म और किरदार पर खुलकर बात की।

विद्या ने कहा, मैं जानती थी कि जेलर रजनीकांत की फिल्म है, क्योंकि मैंने ये फिल्म देखी है और मुझे यह बेहद पसंद आई थी। रजनीकांत की फिल्म तो

महिला सूमो पहलवान हेतल दवे की जिंदगी पर बनी ‘सूमो दीदी’ का ट्रेलर जारी, 23 अक्टूबर को जी5 पर होगी प्रदर्शित
मनोरंजन मंच जी5 ने अपनी मौलिक फिल्म ‘सूमो दीदी’ का आधिकारिक पूर्वावलोकन जारी कर दिया है। यह फिल्म भारत की पहली पेशेवर महिला सूमो पहलवान हेतल दवे के असाधारण जीवन और उनके संघर्षों पर आधारित है। खेल और जीवन के उतार-चढ़ाव को दर्शाने वाली इस फिल्म में श्रीयम भगनानी और चैतन्य शर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को जी5 पर प्रदर्शित होगी।‘सूमो दीदी’ का निर्माण जियो स्टूडियोज, फ्रेश लाइम फिल्म्स और एमए, टीएच एंटरटेनमेंट नेटवर्कस् ने किया है। भारत में प्रदर्शित होने से पहले इस फिल्म को वर्ष 2024 में टोक्यो अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह सहित कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दिखाया जा चुका है।फिल्म का पूर्वावलोकन दर्शकों को महिला पहलवान हेतल दवे की दुनिया से परिचित कराता है। फिल्म में श्रीयम भगनानी ने हेतल की भूमिका निभाई है। कहानी एक ऐसी महिला की यात्रा को सामने लाती है, जो सूमो कुश्ती जैसे पारंपरिक रूप से पुरुषों के वर्चस्व वाले खेल में अपना उद्देश्य तलाशती है।



रजनीकांत की ही होती है। मुझे खुशी है कि नेल्सन ने कांता जैसे दिलचस्प किरदार के लिए मुझे चुना। रजनी सर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान और गर्व की बात है।

विद्या ने आगे इशारा किया कि फिल्म में दर्शकों के लिए बड़ा सरप्राइज क्या होगा।

अपनी भूमिका पर बात करते हुए उन्होंने कहा, कांता मेरे लिए एक बेहद दिलचस्प किरदार है। वो अपने परिवार से बेइंतहा प्यार करती है और उनकी रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। जेलर यूनिवर्स में हर कोई अपना खास तड़का लगाता है, लेकिन असली पकवान तो हमेशा रजनीकांत ही होते हैं।जेलर 2 को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन

(सीबीएफसी) से यूए 16+ सर्टिफिकेट मिल गया है।फिल्म करीब 2 घंटे 45 मिनट की है।सीकल में राम्या कृष्णन, योगी बाबू और मिरना वापसी कर रहे हैं, वहीं एसजे सूर्या, सूरज वेंजरामूडू, मिथुन चक्रवर्ती, अन्ना राजन और जतिन सरना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।2023 की ब्लॉकबस्टर का हिस्सा रहे मोहनलाल और शिव राजकुमार इस सीकल में भी दिखाई देंगे। इसके साथ ही विजय सेतुपति भी फिल्म का हिस्सा हैं। साल 2023 में रिलीज हुई जेलर तमिल सिनेमा की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में शामिल रही, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए थे। उधर फिल्म में रजनीकांत ने भी अपने अंदाज से खूब वाहवाही लूटी थी।

नाशपाती बनाम केला: जानिए इनमें से किसका सेवन है अधिक लाभदायक



केला और नाशपाती दोनों ही लोकप्रिय फल हैं, जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषिक भी होते हैं। हालांकि, कई लोग इन्हें लेकर उलझन में रहते हैं कि इनमें से किसका सेवन अधिक फायदेमंद है। केला और नाशपाती के पोषक तत्वों और स्वास्थ्य लाभों की तुलना करके हम इस सवाल का जवाब ढूंढ सकते हैं। आइए जानते हैं कि इनमें से किसका सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहतर है।

केले का सेवन स्वास्थ्य के लिए है लाभदायक

केला पोटेशियम, विटामिन-सी, विटामिन-बी6 और फाइबर का अच्छा स्रोत है। यह ऊर्जा देने वाला फल है और जल्दी पच जाता है। केले में ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से लड़ने में मदद करते हैं। यह दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद है और पाचन तंत्र को सुधारता है।इसके अलावा केले का सेवन मूड को बेहतर करने, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने और वजन नियंत्रित करने

दैनिक क्षितिज किरण 6

अमेरिका के इलिनोइस में हिंदू मंदिर में सामूहिक गोलीबारी की साजिश रचने वाला किशोर गिरफ्तार

वाशिंगटन,(ए.)। अमेरिका के इलिनोइस राज्य में एक 19 वर्षीय किशोर को ऑरोरा स्थित एक हिंदू मंदिर में सामूहिक गोलीबारी की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पैलेटाइन निवासी एलेक्जेंड्रोस पापोराफिस ११ अक्टूबर को गिरफ्तार हुए थे। बुधवार को कोर्ट ने पापोराफिस को बिना जमानत के हिरासत में रखने का आदेश दिया है। आरोपी के पास से एक राइफल और घोषणापत्र बरामद हुआ है, जिसमें श्वेत वर्चस्ववादी विचार और भारतीय लोगों के खिलाफ हिंसा का जिक्र है। पैलेटाइन पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपने टैको बेल के सहकर्मियों से कहा था कि रविवार %एक खास दिन% होने वाला है। पापोराफिस रविवार को अपनी मां की कार से हिंदू मंदिर गया था, लेकिन राइफल जाम होने के कारण वह वारदात को अंजाम नहीं दे पाया और वापस लौट आया। उसने यह बात अपने सहकर्मियों को बताई थी, जिसके बाद सहकर्मों ने पुलिस को सूचना दी और आरोपी को दोबारा घर से निकलते समय गिरफ्तार कर लिया।



सैन्य क्षमताओं को उन्नत किया है।

हूती विद्रोही इजरायल सहित क्षेत्र के विभिन्न लक्ष्यों पर बैलिस्टिक मिसाइलों और लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले मानवरहित हवाई वाहनों का इस्तेमाल कर चुके हैं। ईरान लंबे समय से उनके लिए हथियारों के डिजाइन और पुर्जों का प्रमुख स्रोत रहा है। ईरान और उससे जुड़े समूहों पर हतियों को हथियार उपलब्ध कराने के आरोप भी लगते रहे हैं।

इस मामले पर वाशिंगटन स्थित चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू वांग ने सीधे तौर पर टिप्पणी नहीं की। हालांकि, उन्होंने कहा कि चीन अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का पालन कर रहा है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि चीन सैन्य उपयोग और दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं के निर्यात पर सावधानीपूर्वक नियंत्रण रखता है। दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं का इस्तेमाल नागरिक और सैन्य, दोनों उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

चीन के सऊदी अरब और ईरान, दोनों के साथ महत्वपूर्ण आर्थिक संबंध हैं। वर्ष 2023 में चीन ने दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य बनाने में मध्यस्थता की थी। चीन ने हूती विद्रोहियों के हमलों की निंदा भी की है।

हूती विद्रोहियों को मिसाइल निर्माण क्षमता में संभावित वृद्धि ने खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। यदि वे उन्नत मिसाइल प्रणालियों के निर्माण और सटीक निशाना साधने की क्षमता हासिल कर लेते हैं, तो सऊदी अरब और इजरायल सहित क्षेत्र के अन्य देशों के लिए सुरक्षा चुनौतियां बढ़ सकती हैं। हालांकि, जब्त किए गए पुर्जों से हतियों की वास्तविक उत्पादन क्षमता कितनी बढ़ेगी, यह रिपोर्ट में सामने आए तथ्यों के आधार पर अभी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता।

शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

छत्तीसगढ़ समाचार

दैनिक क्षितिज किरण 7

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता: मुख्यमंत्री साय

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के कामकाज की उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार, आवश्यक दवाइयां और जांच सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने भविष्य की जरूरतों के अनुरूप स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार की दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जिला अस्पतालों से लेकर सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों, दवाइयों और जांच सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में चिकित्सा उपकरण रखरखाव और मरम्मत के अभाव में लंबे समय तक बंद नहीं रहने चाहिए। रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया तेज करने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश के 1,045 स्वास्थ्य संस्थानों में अटल आरोग्य लैब संचालित हैं। वर्तमान में 33 स्थानों पर डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध है, जबकि 25 नए डायलिसिस केंद्र शुरू किए जा रहे हैं। प्रदेश में 108 संजीवनी एक्सप्रेस के 375 एम्बुलेंस और 102 महतारी एक्सप्रेस के 380 वाहन उपलब्ध हैं। जनवरी से अगस्त 2026 तक महतारी एक्सप्रेस से 2.19 लाख से अधिक हितग्राही लाभान्वित हुए हैं।

गुजरात स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत, जनता के अटूट विश्वास और विकास की विजय : गोमती साय

रायपुर,(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी की पत्थलगान्व विधायक, सरगुजा क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष और गुजरात भाजपा प्रदेश सह प्रभारी गोमती साय ने गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक व प्रचण्ड जीत पर जनता का आधार व्यक्त करते हुए इसे ‘विकास, सुशासन और जनविश्वास की जीत’ बताया है। श्रीमती साय ने कहा कि गुजरात के मतदाताओं ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि उनका अटूट विश्वास केवल और केवल भाजपा पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गवेली एवं शीर्ष नेतृत्व, गुजरात के मुख्यमंत्री तथा प्रदेश नेतृत्व के अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि जनता ने भाजपा के पक्ष में एकतरफा जनादेश दिया है। भाजपा विधायक व गुजरात की प्रदेश सह प्रभारी श्रीमती साय ने कहा कि गांधीनगर महानगर पालिका की कुल 44 सीटों में से भाजपा ने ऐतिहासिक 38 सीटों पर विजय प्राप्त की है, जबकि कांग्रेस केवल 05 सीटों पर सिमत गई। थरा नगरपालिका की कुल 24 सीटों में से भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 19 सीटों पर कब्जा किया, वहीं कांग्रेस को केवल 05 सीटें मिलीं। इसी तरह ओझा नगरपालिका की कुल 36 सीटों में से भाजपा ने 33 सीटों पर जीत दर्ज कर विपक्ष का लगभग पूरी तरह सफ़या कर दिया; कांग्रेस को मात्र 03 सीटें प्राप्त हुई।



मातृ-शिशु स्वास्थ्य और दूरस्थ क्षेत्रों पर जोर
मुख्यमंत्री ने गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, पोषण, सुरक्षित संस्थागत प्रसव और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में और कमी लाने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाने को कहा। दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों में टीकाकरण, मलेरिया नियंत्रण, कुछ रोग निवारण और टीबी उन्मूलन कार्यक्रमों की पहुंच बढ़ाने पर भी जोर दिया।

व्हाट्सएप पर ‘REPLY NO TO CANCEL’ मैसेज से रहे सावधान, साइबर ठग खाली कर सकते हैं बैंक खाता



बलौदाबाजार, (आरएनएस)। व्हाट्सएप पर बैंक खाते से गलत पैसे कटने या पेंडिंग डेबिट का झांसा देकर साइबर ठगी करने का मामला सामने आ रहा है। इसे देखते हुए बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने नागरिकों को 'Reply NO to cancel' जैसे फ़र्जी बैंकिंग अलर्ट से सतर्क रहने की अपील की है। ठग अंग्रेजी और हिंदी में बैंक स्टेटमेंट जैसे दिखने वाले संदेश भेजकर लोगों में घबराहट पैदा करते हैं और तत्काल

जवाब देने या लिंक खोलने के लिए उकसाते हैं। पुलिस के अनुसार, इन संदेशों में '10 मिनट में ट्रांज़ैक्शन वेरीफ़ाई करें' या गलत डेबिट रोकने के लिए 'Reply NO to cancel' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जा सकता है। संदेश भेजने वाले नंबर पर बैंक का नाम या लोगो भी दिखाई दे सकता है, लेकिन केवल इसके आधार पर संदेश को असली नहीं मानना चाहिए। अर्जी संदेश पर जवाब देने से ठगों को यह पता चल सकता है कि संबंधित मोबाइल नंबर सक्रिय है। इसके बाद वे बैंक अधिकारी बनकर फोन कर सकते हैं और ट्रांज़ैक्शन रद्द करने के नाम पर लिंक या फ़ाइल भेज सकते हैं। इनके जरिए स्क्रीन-शेयरिंग या रिमोट एक्सेस ऐप इंस्टॉल कराने की कोशिश की जाती है। फोन तक पहुंच मिलने पर ठग बैंकिंग संबंधी संवेदनशील जानकारी हासिल कर आर्थिक नुकसान पहुंचा सकते हैं।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, यूपीआई पिन, डिवाइस कोड या बैंकिंग संबंधी स्क्रीनशॉट साझा नहीं करना चाहिए।

खेल समाचार

भारत बनाम वेस्टइंडीज: 248 रन भी नहीं बना पाए भारतीय बल्लेबाज! गावस्कर ने बताई टीम इंडिया की सबसे बड़ी कमजोरी



नई दिल्ली (आरएनएस)। हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 24 रन से मिली हार के बाद भारतीय टीम की बल्लेबाजी पर सवाल उठने लगे हैं। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि भारतीय बल्लेबाजों को लक्ष्य का पीछा करते समय अधिक जिम्मेदारी निभानी होगी। संजू सैमसन की शानदार शुरुआत के बावजूद भारतीय टीम 248 रन के लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। गावस्कर ने अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और श्रेयस अय्यर के प्रदर्शन पर भी अपनी राय रखी। गावस्कर के अनुसार, भारतीय टीम को सबसे पहले लक्ष्य का पीछा करने के अपने तरीके में सुधार करना होगा। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को जिम्मेदारी लेकर खेलना

ट्राई सीरीज: पाकिस्तान-इंग्लैंड से भिड़ने से पहले श्रीलंका को झटका, चोट की वजह से बाहर हुआ यह स्टार खिलाड़ी



कोलंबो (आरएनएस)। पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे ट्राई-सीरीज से पहले श्रीलंकाई टीम को झटका लगा है। इस टीम के स्टार ओपनिंग बल्लेबाज पाथुम निसांका सीरीज से बाहर हो गए हैं। निसांका हाल ही में चोटों से जूझ रहे हैं। उन्हें ट्राई-सीरीज के लिए टीम में शामिल तो किया गया था, लेकिन यह उनकी फिटनेस पर निर्भर था। पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ व्हाइट-बॉल दौर के बाद उन्हें हैमस्ट्रिंग (जांच की मांसपेशी) में चोट लग गई थी। डेली मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, इस बल्लेबाज को अभी तक मैदान पर वापसी के लिए मेडिकल क्लीयरेंस नहीं मिल सका है। उनकी रिकवरी अभी उस स्तर तक नहीं पहुंची है कि वे फिर से खेलना शुरू कर सकें, इसलिए वे रविवार से रावलपिंडी में शुरू होने वाली ट्राई-सीरीज से बाहर हो गए हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि निसांका की जगह लाहिरू उदारा को टीम में शामिल किया गया है। इससे पहले निसांका पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर हो गए थे। उन्हें वनडे सीरीज के लिए फिट घोषित होने पर टीम के साथ यात्रा करनी थी, लेकिन अब वे ट्राई-सीरीज से भी बाहर हो गए हैं। निसांका को पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भी श्रीलंका की टीम में रखा गया है, क्योंकि वे रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी करने की कतार में हैं।

उन्होंने कहा कि जिन दुर्गम क्षेत्रों में सड़क या भौगोलिक परिस्थितियों के कारण एम्बुलेंस नहीं पहुंच सकती, वहां स्थानीय जरूरतों के अनुरूप वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि मरीजों को समय पर एम्बुलेंस प्वाइंट या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाया जा सके। अस्पतालों में मृत्यु होने पर परिजनों को समय पर शव वाहन उपलब्ध कराने और उनकी गरिमा व संवेदनाओं का ध्यान रखने के निर्देश भी दिए। चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा में बताया गया कि प्रदेश में 15 शासकीय मेडिकल कॉलेज, एक एम्स और छह निजी मेडिकल कॉलेज सहित कुल 22 चिकित्सा संस्थान हैं। इसके अलावा छह नए मेडिकल कॉलेज स्वीकृत किए गए हैं। शासकीय नर्सिंग कॉलेजों की संख्या आठ से बढ़कर 17 और फिजियोथेरेपी कॉलेजों की संख्या एक से बढ़कर सात हो गई है। पहली बार एलाइड हेल्थ से जुड़े 11 पादयक्रम शुरू किए जा रहे हैं, जिनके लिए 10 मेडिकल कॉलेजों में 640 सीटों की व्यवस्था की गई है। रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में डीएम कार्डियोलॉजी की दो सीटें भी शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के साथ फैकल्टी, विशेषज्ञ चिकित्सकों और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता तथा उपचार की गुणवत्ता पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

रायपुर सेंट्रल जेल में गूंज रहे माता के जयकारे, 760 बंदियों ने रखा नौ दिन का उपवास

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित केंद्रीय जेल में नवरात्र के अवसर पर भक्ति और आस्था का अनूठा माहौल देखने को मिल रहा है। आमतौर पर जेल की चारदीवारी और कड़ी सुरक्षा के बीच रहने वाले बंदी इन दिनों मां दुर्गा की आराधना में लीन हैं। जेल परिसर में माता के जयकारे गूंज रहे हैं और ढोलक-मंजीरे की धुन पर जसगीत तथा भजन-कीर्तन किए जा रहे हैं। खास बात यह है कि नवरात्र के नौ दिनों का उपवास रखने वाले बंदियों की संख्या 760 है, जिनमें 52 महिला बंदी भी शामिल हैं। नवरात्र के दौरान रायपुर केंद्रीय जेल में प्रतिदिन मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की जा रही है। बंदी पूरे श्रद्धाभाव से धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हैं। ढोलक और मंजीरे की धुन पर गाए जा रहे जसगीत तथा माता के जयकारों से जेल परिसर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

आरएडब्ल्यूई विद्यार्थियों ने खेत में मृदा नमूना संग्रहण का किया प्रदर्शन

रायपुर, (आरएनएस)। ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (आरएडब्ल्यूई) कार्यक्रम के अंतर्गत चतुर्थ वर्ष के कृषि विद्यार्थियों ने 13 अक्टूबर को खेत में मृदा नमूना संग्रहण की वैज्ञानिक विधि का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने किसानों को मिट्टी का नमूना लेने की सही प्रक्रिया समझाई और मृदा परीक्षण के महत्व के साथ फसल उत्पादन में इसकी उपयोगिता की जानकारी दी।

प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों ने सबसे पहले खेत के विभिन्न स्थानों से खरपतवार, कंकड़ और फसल अवशेष हटाए। इसके बाद लगभग 0 से 15 सेंटीमीटर की गहराई से मिट्टी के नमूने एकत्र किए। सभी नमूनों को अच्छी तरह मिलाकर एक प्रतिनिधि नमूना तैयार किया गया। इसके बाद नमूने को साफ थैली में भरकर उस पर कृषक का नाम, खेत का विवरण, फसल का नाम और नमूना संग्रहण की तिथि अंकित करने की प्रक्रिया बताई गई। विद्यार्थियों ने बताया कि मृदा परीक्षण से मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों, पीएच मान और अन्य आवश्यक गुणों की जानकारी मिलती है। इसके आधार पर फसल की जरूरत के अनुसार उर्वरकों की सही मात्रा निर्धारित की जा सकती है। संतुलित उर्वरक उपयोग से किसानों के अनावश्यक खर्च में कमी आती है और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के साथ फसल की उपज एवं गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलती है। कार्यक्रम डॉ. नवनीत राणा (डीन) के दिशानिर्देश में, डॉ. भूमिका हलिया (आरएडब्ल्यूई समन्वयक) के मार्गदर्शन तथा डॉ. हरीश कुमार (विषय विशेषज्ञ) की उपस्थिति और तकनीकी सहयोग से संपन्न हुआ। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को कृषि की वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक तकनीकों का अनुभव प्राप्त हुआ। साथ ही किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से मृदा परीक्षण कराने और मिट्टी की जरूरत के अनुसार संतुलित उर्वरक प्रबंधन अपनाने के प्रति जागरूक किया गया।

पेनाल्टी शूटआउट में एफसी क्लब बलरामपुर ने मारी बाजी

रामानुजगंज, (आरएनएस)। ग्राम धनगांव स्थित जय मां काली स्टेडियम में आयोजित स्वामी विवेकानंद स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन 14 अक्टूबर को रोमांचक फइनल मुकाबले के साथ हुआ। खिताबी मुकाबले में एफसी क्लब बलरामपुर ने मेजबान धनगांव की टीम को पेनाल्टी शूटआउट में 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। निर्धारित समय तक दोनों टीमों गोल करने में नाकाम रहीं। इसके बाद पेनाल्टी शूटआउट से मैच का फैसला हुआ। 6 अक्टूबर से शुरू हुई इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया। फइनल मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। जीत के लिए खिलाड़ियों ने पूरा दमखम लगाया और कई अच्छे मौके बनाए, लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिली। 35-35 मिनट के दोनों हाफ में मुकाबला गोलरहित रहा। इसके बाद पहले पांच-पांच पेनाल्टी के प्रयास कराए गए। इनमें भी फैसला नहीं होने पर दोबारा तीन-तीन पेनाल्टी शूटआउट कराया गया। इस रोमांचक मुकाबले में एफसी क्लब बलरामपुर ने 1-0 से जीत दर्ज की। मैच के दौरान स्टेडियम में मौजूद दर्शक लगातार खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते रहे। कार्यक्रम में रामानुजगंज नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और मैदान में मौजूद दर्शकों से मुलाकात की। फइनल मुकाबला देखने के लिए हजारों की संख्या में खेल प्रेमी जय मां काली स्टेडियम पहुंचे। आयोजन समिति ने महिलाओं के लिए अलग पंडाल की व्यवस्था की थी, जहां सैकड़ों महिलाओं और बच्चों ने भी मैच का आनंद लिया।

सऊदी अरब में हमले के बाद फीफा ने फीफा-ई फाइनल्स को टाल दिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। फीफा और सऊदी ईस्पोर्ट्स फेडरेशन ने फीफा-ई फाइनल्स 2026 को टाल दिया है। इवेंट 16 से 25 अक्टूबर तक जेद्दा में होने वाला था। यह फैसला हाल ही में रियाद के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले के बाद लिया गया है। 10 अक्टूबर को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किए गए हमले में 12 लोग मारे गए और 309 घायल हो गए। यमन के ईरान से जुड़े हूती मूवमेंट ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली, जिसे एक दशक के ज्यादा समय में देश का सबसे खतरनाक हमला माना जा रहा है। इवेंट के आयोजक ने एक बयान में कहा, यह फैसला इलाके में हाल के डेवलपमेंट और टूर्नामेंट को कराने के लिए जरूरी लाजिस्टिक इंतजामों पर उनके असर की जांच के बाद लिया गया है।इसमें कहा गया है कि फीफा-ई फाइनल्स के बारे में आगे की घोषणाएं सही समय पर की जाएंगी।

बयान में कहा गया, फीफा ने सऊदी अरब और सऊदी ईस्पोर्ट्स फेडरेशन के फीफा-ई फाइनल्स 2026 की तैयारियों में दिए गए सपोर्ट और सहयोग की तारीफ की, जो सऊदी अरब ने टूर्नामेंट के पिछले एडिशन को सफल मेजबानी के आधार पर किया है।

रियाद एयरपोर्ट पर हुए जानलेवा हमले की वजह से सऊदी अरब में सिक्स किंग्स स्लैम टीएस एगिविशन इवेंट को भी लाजिस्टिक चुनौतियों के कारण 27 30 दिसंबर 2026 तक के लिए टाल दिया गया है।

इसके अलावा, सऊदी अरब में 2027 एएफसी एशियन कप को रियाद पर मिसाइल हमलों के बाद एक साल के लिए टाला जा सकता है।

यह कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट अगले साल 7 जनवरी को रियाद, जेद्दा और अल-खोबर में शुरू होने वाला है।

मनसुख मांडविया का राष्ट्रीय खेल महासंघों से खेल प्रदर्शन की जिम्मेदारी अधिक गंभीरता से लेने का आह्वान



नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने 2026 एशियाई खेलों में भारत के चौथे स्थान पर रहने के बाद राष्ट्रीय खेल महासंघों से देश के खेल प्रदर्शन की जिम्मेदारी अधिक गंभीरता से लेने का आह्वान किया है। उन्होंने महासंघों के प्रमुखों के साथ बैठक में कहा कि भारत को पदक जीतने के लिए कुछ चुनिंदा खिलाड़ियों पर निर्भर रहने के बजाय हर खेल में चैंपियन खिलाड़ियों की मजबूत और निरंतर श्रृंखला तैयार करनी होगी।मांडविया ने कहा, आखिर कब तक मीराबाई चानू अकेले हमारे लिए पदक जीतती रहेंगी? हमें 10 और मीराबाई चानू तैयार करनी



मां दुर्गा जी की आकर्षक झांकी

नर्मदापुरम (निप्र)। शारदीय नवरात्र महोत्सव के अंतर्गत नर्मदा नगरी के पावन शहर नर्मदापुरम में नवरात्र महोत्सव की धूम मची हुई है। श्रद्धा भक्ति और उत्साह के साथ देवी भक्ति साधना आराधना में भक्त लगे हुए हैं। पंचवटी परिसर के पास श्री गणेश कॉलोनी में भी अष्टभुजा वाली देवी दुर्गा के प्रतिमा की स्थापना श्रद्धा भक्ति के साथ हुई है। पंडित शिवांश मिश्रा द्वारा पूजा अर्चना की जा रही है।

अपराजिता अभियान के तहत किशोरियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण शुरू

नर्मदापुरम (निग्र)। मिशन शक्ति बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिला नर्मदापुरम में किशो बालिकाओं को आत्मरक्षा के लिए अपराजिता अभियान के माध्यम से मार्शल आर्ट, जूडो, कराटे, टाइक्वांडो और कुश्ती का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में 15 अक्टूबर को परियोजना के सेला द्वारा खेल विभाग और शिक्षा विभाग के समन्वय से किशोरी बालिकाओं के लिए मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। अपराजिता अभियान का उद्देश्य बालिकाओं को सशक्त और आत्मरक्षा के लिए सक्षम बनाना है। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पर्यवेक्षक और किशोरी बालिकाएं उपस्थित रहीं।

नर्मदापुरम कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने संभाला पदभार

नर्मदापुरम (निप्र)। नवागत कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर विधिवत पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने विधिवत नर्मदापुरम कलेक्टर



का पदभार दिया और नवागत कलेक्टर आशीष त्रिपाठी को बधाई दी। इस अवसर पर कलेक्टर राजेश शुक्ला भी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि आशीष वशिष्ठ वर्ष 2014 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वे मूलतः राजस्थान के निवासी हैं। नर्मदापुरम में स्थापना से पूर्व वे प्रबंध चलाक मध्य प्रदेश राज्य के इन्फ़्रैस्ट्रक्चर विकास निगम भोपाल तथा मिशन संचालक समग्र समाजिक सुरक्षा मिशन के पद पर एवं अनूपपुर जिले के कलेक्टर के रूप में वर्ष 2023-24 में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ को डिजिटल इंडिया में भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए द्वाारा के विज्ञान विभाग में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मान भी प्राप्त हो चुका है।

माता शबरी से मुलाकात के बाद सुग्रीव राम मित्रता की लीला ने मनमोहा



की रक्षा के लिए बाली का घघ कर देते हैं, सुग्रीव को किष्किंधा का राज देकर बालिपुत्र अंगद को युवराज बनाते हैं हनुमान की वानर सेना सहित सीताजी की खोज में निकलते हैं, उनको समुद्र तट पर जटायु का भाई सम्पाती मिलता है बलरत्न । जामवंत के समझाने पर जानकी जी की खोज में हनुमानजी लंका पहुँच जाते हैं, लीला में यश शुक्ला ने रावण वश दुबने ने जानकी, सुभाष परसाई ने रावण, गोपाल शुक्ला ने बाली, दीपेश व्यास ने हनुमान, मनोज मांझी ने जामवंत, परसाई ने शबरी का अभिनय किया ।

मंदपादपुरम (निग्र)। रामजी की सीता
रण के बाद व्याकुल हो वन में खोज
रहे हुए जाते हैं। तब वह शबरी के
श्रम पहुँचते हैं और उन्हें नव्या भक्ति
जाते हैं, शबरी श्रीराम को ऋध्यमुख
रत का पता बतलाती हैं जहाँ पर सुगीव
वर्षित जीवन व्यतीत कर रहे हैं, सुगीव
मने दत्त हनुमान जी को श्रीरामजी के
स उन्को लिवाने पहुँचाते हैं, हनुमानजी
राम को लेकर सुगीव के पास आते हैं
पर यहाँ श्रीराम मैत्री होती है इसी प्रसंग
सुगीव राम को व्याकुल देखते हैं और
की सहायता के लिए तत्पर हो जाते हैं
राम सुगीव के भाई बाली से मुक्त
करने का यंत्र करते हैं, यहाँ पर सुगीव
बाली का संघर्ष होता है, श्रीराम सुगीव
ज बनाते हैं, यहाँ से श्रीराम सुगीव एक
मिलता है जो सभी को रावण का पता
बतला ने राम, शिवाय शुक्ला ने लक्ष्मण,
जामवंत, दीपक साहू ने सुगीव, मनोज

सांस्कृतिक चेतना के विस्तार और कला के उत्थान पर संस्कार भारती का मंथन



नमोदापुरम् (निप्र)। भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत को सहेजने और सांस्कृतिक गतिविधियों को ईर्ष्या उर्जा देने के उद्देश्य से संस्कार भारती की चिंतन बैठक गुरुवार को दादा गुरुदास की कृतिर्या में आयोजित की गई। गणेश वंदना के साथ प्रारंभ हुआ बैठक में संगत के आगामी कार्यक्रमों, सांस्कृतिक विस्तार के लिए भारतीय जीवन मूल्यों के प्रचार-प्रसार पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता संस्कार भारती के संरक्षक टी. पी. मिश्रा ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि चार दशक पूर्व भारतीय जीवन मूल्यों, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के उद्देश्य से शुरू किया गया संस्कार भारती का अभियान आज सकारात्मक परिणाम दे रहा है। समाज में सांस्कृतिक चेतना का विस्तार इस बात का प्रमाण है।

कि भारतीय परंपराओं की जड़ें आज भी मजबूत हैं। जिला अध्यक्ष हर्ष तिवारी ने कला की सामाजिक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कला महज मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि समाज को जागरूक करने, मानवीय संवेदनाओं को विकसित करने और व्यक्तिगत निर्माण का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सांस्कृतिक गतिविधियों को व्यापक स्तर पर अंग्रेजों की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं, महामंत्री सुश्रम मिश्रा ने

आगामी योजनाओं की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए संगठन की भावी गतिविधियों और कार्ययोजना की जानकारी दी। बैठक में सांस्कृतिक कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने तथा भारतीय परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाने को लेकर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर समिति उपाध्यक्ष अभिषेक दुबे, कोषाध्यक्ष महेंद्र आर्य, अनिल उपाध्याय, रामकुमार उपाध्याय सहित सदस्य उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग की एक साथ 3 जगह कार्रवाई, 10 प्रकरण दर्ज, 33 हजार की अवैध शराब जब्त

नर्मदापुरम (पिन्ड्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के आदेशानुसार और जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में अनेक मदिरा विक्रय के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को जिले में 3 टीमों बनाकर एक साथ कारवाई की गई। टीम-1 (वृत्त इटारसी)। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रमेश अहिरवार के नेतृत्व में जन विश्वास अफियान को देखते हुए ग्राम मिसरोद, काजलसा, टिगरिया, डोलरिया, सेमरी खुर्द में दबिश दी। आबकारी अधिनियम के तहत 5 प्रकरण कायम कर 20 लीटर कच्ची हाथभूंदी मंदिरा, 90 किलो लहान, 12 बोतल बीयर, 25 क्वार्टर गोवा ब्लैस्की और 20 पाव देशी मंदिरा जब्त की। कीमत 19,100 रुपये। टीम-2 (वृत्त पिपरिया)। आबकारी उप निरीक्षक हितेश बिर्सोनी के नेतृत्व में ग्राम समनपुरा, सेमरलता, तिसरी, ईशारपुर, मछेरा कलां, अन्हई में दबिश दी। 3 प्रकरण कायम कर 15 लीटर कच्ची मंदिरा, 70 किलो लहान और 20 क्वार्टर देशी मंदिरा जब्त की। कीमत 11,520 रुपये। टीम-3 (वृत्त नर्मदापुरम)। आबकारी उप निरीक्षक आर.पी. निमोदा के नेतृत्व में 2 प्रकरण कायम कर 9 लीटर कच्ची हाथभूंदी मंदिरा जब्त की। कीमत 2,700 रुपये। कुल 10 प्रकरणों में 33,320 रुपये की अवैध शराब जब्त की गई। कारवाई में मुख्य आरक्षकों और आरक्षकों का सहायित्व योगदान रहा। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि अभियान निरंतर जारी रहेगा।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं! नपाध्यक्ष नीतू यादव ने वार्ड 23 में किया निरीक्षण



निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष नीतू यादव ने सीवरेज कंपन के कर्मचारियों और ठेकेदारों को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि सीवर लाइन बिछाने के बाद सड़क को पहले जैसी स्थिति में लाकर ही दिया जाए। उन्होंने सख्त रुख अपनाने हुए कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही किए भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जहां भी सीवरेज व कचरा हो, वहां रिस्टरेशन पूरी गुणवत्ता और सही तरीके किया जाए।

सीवर कंपनी को चेताया जैसी सड़क तेजी से हो रहे हैं विकास कार्य, लापरवाही थी, वैसी ही बनाकर दो पर कड़ा एतराज

नर्मदापुरम् नगरपालिका क्षेत्र में विकास कार्यो के गुणवत्ता को लेकर नगरपालिका शासन पूरी तरह सख्त नजर आ रहा है। गुरुवार को नगरपालिका अध्यक्ष नीतू मंड्रेखे यादव ने बाई काँचक 23 का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि सीवर लाइन डालने वाला कंपनी द्वारा कार्य के बाद सड़कों का सही तरीके से रिस्टोरेशन नहीं किया जा रहा है, जिस पर उन्होंने हारा असंतोष और नाराज व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान बाई पाषांड बंटो पहिरार भी मौजूद रहे।

जैसी पहले थी सड़क, वैसी ही बनाकर दे

नापाथस्थ श्रीनौ वाद्यव न बताया कि मर्मदायुग्म के त्रि
वार्ड में नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए स
ने सङ्कटों और नालियों का निर्माण कराया जा रहा है। श
की अनेक सड़कें बनकर तैयार हो चुकी हैं। लेकिन यह देख
ना है। नागरिकों के लिए पार्किंग स्थानों में सड़कों को सीमे
कंपनी के कर्मचारियों द्वारा पार्किंग लाइन डालने के नाम
खोदा जा रहा है और बाद में लापरवाहीपूर्वक अथवा गलत
रिस्टोरेशन किया जा रहा है, जिससे नई सड़कें भी डैमेज
बनाए हैं। उन्होंने साफ़ किया कि आज्ञान की सुविधा के लि
नाए जा रहे विवकास कार्यों को नुकसान पहुँचाने वाली ऐ
लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नवागत कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने अधिकारियों से की परिचयात्मक बैठक

शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाना प्राथमिकता

समय की पाबंदी, अनुशासन और विभागीय पोर्टल पर अद्यतन जानकारी रखने के लिए निर्देश



नर्मदापुरम (फ़िप्र) नवागम कलेक्टर आशीष वशिष्ठ जिला अधिकारियों के साथ परिचयान्मक बैठक कर प्रशासनिक कार्यों की प्राथमिकताओं से अवगत करायें। उन्होंने कहा कि शासन की विभिन्न जत्कल्लग्नकारी योजनाओं का धरातल प्रभाव क्रियान्वयन सुनिश्चित करना तथा सभी पात्र हितप्राप्तियों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना प्रशासन की प्रमुख प्राथमिकता रहेगी। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने अधिकारियों को मुद्रा निर्देश दिए कि सभी शासकीय कार्यालयों में समय की पाबं और अनुशासन का विशेष ध्यान रखा जाए। अधिकारी निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित रहकर अपने विभागीय दायित्व का गंभीरता से निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में समयबद्धता और जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने निर्देश दिए कि अधिकारी किसी

विभागीय बैकट में उपस्थित होने से पूर्व संबंधित विषय की पूरी जानकारी संकलित कर लें। सभी आवश्यक जानकारियों और/या अद्यतन आंकड़ों का साथ बैकट में उपस्थित हों, ताकि विभागीय कार्यों की प्रभावी समीक्षा की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध अद्यतन जानकारी के आधार पर ही समीक्षा की जाएगी। इस दृष्टि से सभी जिला अधिकारी अपने-अपने विभागीय पोर्टल को नियमित रूप से अपडेट रखें।

क्लेक्टर्न श्री विश्व ने कहा कि अधिकारी शासकीय कार्यों में तकनीकी प्लेटफॉर्म और डिजिटल माध्यमों का उपयोग करें, लेकिन इन पर पूरी तरह निर्भर न रहें। तकनीकी संसाधनों का उपयोग कार्यों को सुगम बनाने और सहायता प्राप्त करने के लिए किया जाए। अधिकारियों को अपने विवेक, अनुभव और विभागीय जानकारी के आधार पर भी कार्य करना

चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यालयीन समय का विशेष ध्यान रखें तथा अपने विभागीय कार्यों को प्राथमिकता के साथ समय पर पूरा करें। इसके साथ ही अन्य जुनिहैरी गतिविधियों में भी सहभागिता करें, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाए कि इससे विभागीय कार्य प्रभावित न हों। बैठक में जिला प्रशासक के मुख्य कार्यापान अधिकारी हिमाशु जैन, अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले के समग्र विकास पर रहेगा

फोकस : कलेक्टर आशीष वशिष्ठ

नर्मदापुरम (निप्र)। नवागत कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने मीडिया परिचर्चा के दौरान नर्मदापुरम जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार साथियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने जिले के विकास की प्राथमिकताओं, प्रशासकिक कार्यों में सुधार और विभिन्न क्षेत्रों में संचालित गतिविधियों को आगे बढ़ाने के संबंध में अपनी बात रखी। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने कहा कि जिले का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता रहेगा। इसके लिए विकास कार्यों को गति देने के साथ ही पूर्व से संचालित योजनाओं, नवाचारों और विकास गतिविधियों को और बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले में सूचना एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आवश्यक सुधार किए जाएंगे, ताकि प्रशासनिक कार्यों को अधिक प्रभावी बनाया जा सके और आमजन को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के अंतर्गत

जागरूकता सेमिनार आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के अंतर्गत ग्राम रायपुर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार



उपचार के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य बी.पी. पठारिया एवं अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम के मनकक्ष से क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट गाँजिया विहोदी एवं नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती कांती यादववंशी ने मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक किया। इस दौरान टेली-मानस हेलपलाइन 14416 तथा मनहित ऐप की जानकारी दी गई। शिक्षकों को मनहित ऐप डाउनलोड करवाकर इसके उपयोग के बारे में बताया गया। साथ ही विद्यार्थियों को अवगत कराया गया कि मनकक्ष में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए औषधीय उपचार एवं काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध है।

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन, अपर सचिव
मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग, जिला-नर्मदापुरम

क्रमांक/भू-अर्जन/MPRDC/2026/1/1338463/2026

नर्मदापुरम दिनांक : 29.09.2026
 प्रकरण क्रमांक : 005/अ-82/2025-26

मौजा : पतलई खुर्द पटवारी हल्का नं. 08 तहसील नर्मदापुरम

अधिसूचना

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 के अंतर्गत प्राथमिक अधिसूचना के प्रकाशन तारीख 01.05.2026 से प्रावधानित समय सीमा 60 दिवस की अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने के कारण अधिनियम की धारा 15 (2) के अंतर्गत कोई रिपोर्ट की आवश्यकता नहीं हुई तथा इस आधार पर समुचित सरकार का यह समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित परियोजना हेतु अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित निजी भूमि एवं स्थावर परिसंपत्ति की, सार्वजनिक लोक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन, पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-19 के अंतर्गत यह घोषित किया जाता है कि निम्न अनुसूचियों के पद (2) में वर्णित भूमि एवं स्थाई परिसंपत्तियां लोक प्रयोजन हेतु अपेक्षित हैं:-

(1) परियोजना का नाम : नर्मदापुरम टिमरसी मार्ग का 2 लेन मय पेन्ड शोल्डर उन्नयन एवं निर्माण कार्य।

(2) भूमि का विवरण :-

- जिला - नर्मदापुरम
- तहसील - नर्मदापुरम ग्रामीण
- ग्राम - पतलई खुर्द
- पटवारी हल्का नं. - 08
- अर्जित भूमि का क्षेत्रफल - 0.263 हे.

अनुसूची -1

स. क्र.	भू-स्वामी का नाम/ पिता का नाम	स्वामित्व का प्रकार	खसरा क्र.	क्षेत्रफल कुल रकबा (हेक्ट. में)	अर्जित भूमि (रकबा हेक्ट. में)			भूमि पर स्थित परिसंपत्तियां
					सिंचित	असिंचित	पड़ती	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	वीरसिंह पिता शिवपाल सिंह जाति राजपूत पता नर्मदापुरम मध्यप्रदेश भूमि स्वामी, विद्याबाई बेवा शिवपाल सिंह जाति राजपूत पता नर्मदापुरम मध्यप्रदेश भूमि स्वामी, धीरसिंह पिता शिवपाल सिंह जाति राजपूत पता नर्मदापुरम मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	5/1	0.4050	0.054	-	-	वृक्ष (बबूल-5)
2	सम्पतसिंह पिता निर्भय सिंह जाति राजपूत पता नर्मदापुरम मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	5/2	1.8890	0.179	-	-	वृक्ष (आम-1, इमली-1, नीम-5, खजूर-1)
3	श्रीमती कविता दीवान पत्नी राकेश दीवान पता ग्वालटोली तहसील नर्मदापुरम नर्मदापुरम मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	15/2	0.1450	0.030	-	-	-
योग: -				2.439	0.263			

नर्मदापुरम-टिमरसी मार्ग का 2-लेन मय पेन्ड शोल्डर उन्नयन एवं निर्माण कार्य में प्रभावित भूमि के नक्शे तथा प्लान का निरीक्षण न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी नर्मदापुरम जिला-नर्मदापुरम तथा संभागीय प्रबंधक म.प्र. सड़क विकास निगम, नर्मदापुरम (म.प्र.) के कार्यालय में किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
हस्ता./- (सोमेश मिश्रा)
कलेक्टर जिला नर्मदापुरम एवं पदेन अपर सचिव
म.प्र. शासन राजस्व विभाग

म.प्र. माध्यम/128617/2026

स्वाध्यायिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एवं व्यूरो प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस, तलैया भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय व्यूरो प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitiijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitiijkiran.com